

टैंक हो या हेलिकॉप्टर, सब होंगे स्वाहा, भारत ने बना ली ड्रोन से लॉन्च होने वाली मिसाइल

नई दिल्ली (ए.)। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है। यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है। वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश

के कुर्नूल स्थित डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किया गया। इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्म-निर्भरता की दिशा में अहम कदम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ट्रायल के बाद साफ है कि इसकी घरेलू स्पलाई चैन बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है। भारतीय एमएसएमडी कंपनियां भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

12.5 किलोग्राम वजनी यह मिसाइल 'दागी और भूल जाओ' तकनीक पर काम करती है 04 किमी दिन में और रात के समय 2.5 किमी तक मार करने की क्षमता देती है।



■ ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा, रक्षा मंत्रालय की बड़ी उपलब्धि

■ टैंक, हेलिकॉप्टर और दूसरे ड्रोन को निशाना बना सकेगी भारतीय ड्रोन मिसाइल

■ डीआरडीओ ने स्वदेशी कंपनियों के साथ बनाया, यह सॉलिड प्रोपल्शन युनिट से लैस

चलते-फिरते टारगेट को भी लॉक कर सकती है

यूएलपीजीएम-वी3 एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है। इसमें सीकर तकनीक लगी है, जिससे यह टारगेट को पहचानकर लॉक करती है और फिर सटीक हमला करती है। चलते हुए लक्ष्य को भी ट्रैक कर सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे एंटी-टैंक रोल के लिए भी तैयार किया गया है। साथ ही यह ड्रोन, हेलिकॉप्टर और दूसरे हवाई लक्ष्यों के खिलाफ भी इस्तेमाल की जा सकती है।

भारतीय कंपनियों के साथ डीआरडीओ ने तैयार किया

इस मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीएल) की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल), टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी (एचईएमआरएल) भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रही। प्रोडक्शन के लिए डीआरडीओ ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ट्रायल में इसे बैंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के बनाए गएवी के साथ टेस्ट किया गया।

50 हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स होगी

ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के बाद भारत ने एक 'ड्रोन फोर्स' बनाने का फैसला किया है। यह फोर्स किसी भी सैन्य कार्रवाई में 'फस्ट रेस्पोंडर' (पहली जवाबी कार्रवाई) के तौर पर तैनात की जाएगी। इसे डेटा और कॉमिंटिव वारफेयर फोर्स का तकनीकी का सपोर्ट होगा। इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के मुताबिक इस फोर्स के लिए अभी 50 हजार सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अगले 3 साल में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सर्सीसेस' बनाए जाएंगे।

आज बेबाक

उड़ी बाबा...। खुद को फ़यर बोलने वाला ये पुष्पा तो फ्लावर से भी गया बीता निकला रे...। बोलता था मैं झुकेगा नहीं साला.... लेकिन ये तो लमलेट हो गया। ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का पूरा नाम मिट्टी में मिला दिया माटीमिले ने। बंगाल की फ़ल्दा विधानसभा सीट में पुनर्मतदान के दो दिन पहले कथित पुष्पा जहांगीर खान मैदान छोड़ दुम दबाकर भाग गया। यह भी एलान कर दिया कि अब वो कभी चुनाव नहीं लड़ेगा। निकल गई पट्टे की सारी पुष्पागिरी। वैसे भी वो डउपेकर चूहा अब चुनाव लड़ने के काबिल नहीं रहेगा। बाकी की उग्र जेल में ही सड़ेगा।

तापमान	
अधिकतम 44°	न्यूनतम 27°
बाजार भाव	
गोल्ड 1,51,140	सिल्वर 2,54,798
शेयर बाजार	
सेसेक्स 77,328.19	निफ्टी 24,176.15
विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,291,743,121	1,474,975,253

प्रशासनिक निर्णय लेने में देरी, वैध अधिकारों से वंचित करने के समान

नई दिल्ली (वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सिविल अधिकारियों से जनहित और स्थापित व्यवस्था के अनुरूप सही निर्णय लेने की अपील करते हुए कहा है कि जिस प्रकार न्याय मिलने में देरी को न्याय से वंचित करना माना जाता है उसी प्रकार प्रशासनिक निर्णय लेने में देरी भी लोगों को उनके वैध अधिकारों से वंचित करने के समान है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2024 बैच के अधिकारियों के एक समूह ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। ये अधिकारी अभी विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में सहायक सचिव के रूप में कार्यरत हैं। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय सेवाओं, विशेषकर भारतीय प्रशासनिक सेवा, ने देश के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गरमा-गरम



ग्रामीण क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की

सांसद आशीष दुबे का मझोली क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में जनसंपर्क प्रवास

जबलपुर। सांसद आशीष दुबे ने पाटन विधानसभा अंतर्गत मझोली पूर्व मंडल की विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर ग्रामीण क्षेत्रों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा की। अपने दिवसीय प्रवास के दौरान सांसद दुबे ने मर्डे, छप्पा, पहरुआ, बरगी, मोहला, धनगवां, महगवां, खलरी, डुंडी, हरदुआ, बरखेड़ा, दिनारी खमरिया, गौह्रा एवं गंजताल ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया। उन्होंने किसानों, महिलाओं एवं युवाओं से संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों को लेकर सुझाव प्राप्त किए।

पीएम मोदी और ट्रंप अगले महीने मिल सकते हैं, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने किया आमंत्रित

■ ईरान युद्ध और तेल संकट के बीच होने वाली ये मुलाकात काफी अहम होगी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने मिल सकते हैं। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में हो सकती है। 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। ईरान युद्ध और तेल संकट के बीच होने वाली ये मुलाकात काफी अहम होगी।

रिपोर्टर्स के मुताबिक फ्रांस के एंजियन-लेस-बैस में 15 से 17

स्थानीय आवश्यकताओं पर चर्चा



कार्यवाही कराने का भरोसा भी दिलाया

प्रवास के दौरान सांसद ने सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, कृषि सुविधाएं, विद्युत आपूर्ति सहित अन्य स्थानीय आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने का भरोसा भी दिलाया। इस अवसर पर राजेश दाहिया, रामकृष्ण पटेल, कमलेश पटेल, प्रमोद मिश्रा, नरेंद्र पटेल, विनय असाटी, आशीष पटेल, अल्का गर्ग, नीलू बाजपेयी, अंकित तिवारी, रवि यादव, सुमित मिश्रा, विवेक पटेल सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित रहे।



जून तक जी-7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था। हालांकि भारत जी-7 का सदस्य नहीं है, लेकिन महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर

भारत को बुलाया गया है। बता दें कि पिछले साल फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई मोदी और ट्रंप की अहम मुलाकात के बाद से ये दोनों नेता किसी न किसी वजह से बड़े ग्लोबल समिट में एक-दूसरे से मिल नहीं पाए हैं। हालांकि, ये दोनों 'बहुत अच्छे दोस्त' अगले महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 समिट में आखिरकार आमने-सामने आ सकते हैं। मोदी-ट्रंप की आखिरी मुलाकात फरवरी 2025 में हुई थी, जब ट्रंप के दोबारा सत्ता संभालने के बाद पीएम मोदी व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले दुनिया के शुरुआती नेताओं में से एक थे।

रोजगार सहायकों के रिटारमेंट की उम्र 62 साल होगी

भोपाल के जंबूरी मैदान पर आयोजित सम्मेलन में सीएम ने किया ऐलान

भोपाल। नवप्रदेश

भोपाल के जंबूरी मैदान पर ग्राम रोजगार सहायकों का सम्मेलन हुआ। इस कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कई घोषणाएं कीं। सीएम ने कहा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से सरकार हर क्षेत्र में काम कर रही है। हर सेक्टर में काम कर रहे हैं। बिना मांगे आपकी तरफ ध्यान दे रहे हैं। सरकार आपके साथ खड़ी है। आपको जब काम का टारगेट देते हैं तो काम आप करो आपकी चिंता सरकार करेगी। ये



आवश्वासन आपको दे रहा हूं। अगर सबने पारिश्रमिक बढ़ाने की मांग की थी। तो 9 हजार से बढ़ाकर दोगुना 18 हजार किया था। अब पंचायत सचिव के रिक्त पदों के मामले में, आयु सीमा के मामले में, अनुकंपा के मामले में आपके जनप्रतिनिधियों की बैठक

कराकर ठोस निर्णय लेने वाले हैं। सीएम ने कहा कि आपसे गांव के विकास की अपेक्षा करते हैं। हमने रोजगार सहायकों की आयु सीमा 62 साल की है। जो बहनें रोजगार सहायक हैं उन्हें प्रसूति अवकाश, मातृत्व अवकाश, ऐच्छिक अवकाश, पुरुष ग्राम रोजगार

सहायक को 15 दिनों का पितृत्व अवकाश दिया जाएगा। ऐसे विषयों पर हम काम कर रहे हैं।

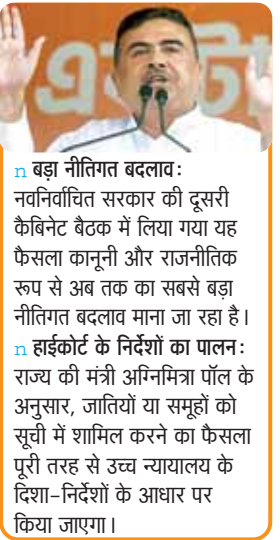
सीएम ने कहा कि किसी कारण से किसी रोजगार सहायक पर आपराधिक प्रकरण बन जाए और बाद में वो निर्दोष सिद्ध हो जाए तो उसे पुनः सर्विस में लेने की गारंटी हम सरकार के माध्यम से घोषणा करते हैं। जब कोई अपराध नहीं किया तो फिर क्यों बाहर करना? सबसे पहले आपके हितों के साथ सुस्था और सम्मान से गांव के विकास को जोड़कर देखने की दृष्टि हमने शुरू की है। सीएम ने कहा कि आज

यहां आ रहे हमारे दो रोजगार सहायक मित्र हुरजी मेड़ा और लखन कर्मोदिया की असमय मृत्यु हुई है मैं दोनों साथियों के परिवारों को दस-दस लाख रूपए की सहायता देने की घोषणा करता हूं। जो घायल हैं उनके इलाज की व्यवस्था सरकार करेगी। गंभीर घायलों को एक लाख और अन्य घायलों को 50 -50 हजार रूपए दिए जाएंगे।

अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी: सीएम ने कहा कि अगली बार सरकार के माध्यम से बहुत सारे काम कराना है। अभी तो गेहूं खरीदी चल रही है।

बंगाल में ओबीसी आरक्षण 17% से घटकर 7% हुआ

■ अब 66 जातियां ही कोटे में रहेंगी, ममता ने जिस चीफ व्हिप से हटाया, केंद्र ने उन्हें वाय सिक्वोरिटी दी



कोलकाता/वार्ता। पश्चिम बंगाल की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लेते हुए राज्य सरकार की नीतियों और पदों में आरक्षण से जुड़े अन्य पिछड़ा वर्ग सूची के मौजूदा उप-वर्गीकरण बंधे को पूरी तरह रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी की अध्यक्षता में नवजा (सचिवालय) में हुई कैबिनेट की दूसरी बैठक के बाद राज्यापाल के निर्देश पर यह अधिसूचना जारी की गई।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव पास, खिलाफ में चार वोटिंग

वॉशिंगटन/ए। अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना



मरवाही के जंगल में दिखा दुर्लभ सफेद भालू

■ झाड़वर पर किया हमला, वन विभाग अलर्ट, क्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई



गोरे ला-पेंडू 1-मरवाही (नवप्रदेश)। मरवाही वनमंडल के जंगलों में इन दिनों एक दुर्लभ एल्बिनो (सफेद) भालू दिखाई देने से इलाके में कौतूहल और दहशत दोनों का महील है। आमादांड गांव के आसपास ग्रामीणों ने सफेद रंग के भालू को देखा, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग उसे देखने और मोबाइल से सेल्फी व वीडियो बनाने पहुंच रहे हैं।

जसफेद भालू ने स्थानीय निवासी लखू झाड़वर पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में उसके हाथों में गंभीर चोटें आई हैं।

जीन संबंधी परिवर्तन के कारण उत्पन्न एल्बिनिज्म

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक यह कोई अलग प्रजाति नहीं, बल्कि जीन संबंधी परिवर्तन के कारण उत्पन्न एल्बिनिज्म का मामला है। इस स्थिति में शरीर में रंग बनाने वाला पिगमेंट कम या पूरी तरह अनुपस्थित हो जाता है, जिससे जानवर का रंग सफेद दिखाई देता है। घटना के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को जंगल की ओर अकेले न जाने और वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है।

घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि काले भालूओं के बीच पूरी तरह सफेद रंग का भालू पहली

बार देखा गया है। इसे देखने के लिए आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच रहे हैं। हालांकि वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और भालू के करीब न जाने की अपील की है।

बस्तर पर अमित शाह का बयान सिर्फ झूठ का पुलिंदा: भूपेश बघेल

■ प्रेस कांफ्रेंस कर पूर्व सीएम ने गृहमंत्री शाह के बयान पर किया पलटवार



रायपुर (नवप्रदेश)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत ने राजीव भवन में संयुक्त पत्रकार वार्ता कर केंद्रीय गृहमंत्री शाह के बयान पर पलटवार किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म होने की घोषणा की है, हम इस घोषणा का स्वागत

करते हैं। सभी को करना चाहिए। केंद्रीय क्षेत्रीय परिषद की बैठक में और उसके बाद अमित शाह जी ने जो कुछ कहा वह सिर्फ झूठ का पुलिंदा है। स्पष्ट दिखता है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अमित शाह को बस्तर के बारे में झूठी जानकारी दी है, जिससे वे भ्रमित हो गए। भूपेश बघेल ने कहा कि अमित शाह सच्चाई से मुंह मोड़ रहे।

न्यूज गैलरी

एमपी लोकायुक्त को आरटीआई से छूट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सरकार से मांगा जवाब

भोपाल/नवप्रदेश। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त संगठन को आरटीआई से दी गई छूट पर सख्त सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने पूछा है कि लोकायुक्त को किस कानूनी आधार पर सूचना के अधिकार कानून से बाहर रखा गया। सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त संगठन को सूचना के अ ध ि क ा र (आरटीआई) कानून से दी गई छूट पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा है कि आखिर किस आधार पर लोकायुक्त संगठन को आरटीआई के दायरे से बाहर रखा गया है। कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि क्या लोकायुक्त कोई खुफिया या सुरक्षा एजेंसी है, जिसे कानून के तहत छूट दी जा सके। मामले की सुनवाई जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरुण एस. चांदुरकर की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान मध्यप्रदेश सरकार ऐसा कोई ठोस रिकॉर्ड या तथ्य पेश नहीं कर सकी, जिससे यह साबित हो कि लोकायुक्त संगठन खुफिया एजेंसी की तरह काम करता है। कोर्ट ने कहा कि 2011 में जारी वह अधिसूचना, जिसके जरिए लोकायुक्त को आरटीआई से छूट दी गई थी, पहली नजर में कानून की भावना के खिलाफ दिखाई देती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऋद्ध कानून का उद्देश्य सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन और महाधिवक्ता प्रशांत सिंह को 20 मई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो 2011 की अधिसूचना रद्द की जा सकती है। इससे पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट भी लोकायुक्त संगठन को आरटीआई के तहत जानकारी देने और पांच हजार रुपये जुर्माना भरने का आदेश दे चुका है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश सरकार के वकीलों की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि कई मामलों में सरकारी वकील अदालत में प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रख पा रहे हैं। कोर्ट ने सरकारी वकीलों के पैनल की समीक्षा करने के संकेत भी दिए हैं।

पुलिस का विशेष अभियान, जिला बदर का आदेश तोड़ने वाले नौ आरोपी गिरफ्तार; दबिश देकर पकड़ा गया

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल क्राइम ब्रांच ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान आरोपियों को दबिश देकर पकड़ा गया। पुलिस का कहना है कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। भोपाल शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए क्राइम ब्रांच भोपाल ने जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को वैधानिक कार्रवाई के बाद संबंधित थानों की सुपुर्द कर दिया गया। क्राइम ब्रांच द्वारा लगातार ऐसे आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखी जा रही है, जिनके खिलाफ पूर्व में जिला बदर की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके बावजूद कई आरोपी प्रतिबंध अवधि के दौरान भोपाल जिले की सीमा में प्रवेश कर गतिविधियां संचालित कर रहे थे। सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच की टीमों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान थाना स्टेशन बजरिया, एमपी नगर, कोहेंफजा, श्यामला हिल्स, शाहपुरा और हबीगंज क्षेत्रों में विशेष सर्चिंग अभियान चलाया गया। कई आरोपी पहचान छिपाकर अलग-अलग स्थानों पर रह रहे थे और पुलिस कार्रवाई से बचने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन क्राइम ब्रांच की सतर्क निगरानी और सक्रिय मुखबिर तंत्र के चलते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

आदेश का उल्लंघन गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है

पुलिस के अनुसार, जिला बदर आदेश ऐसे अपराधियों के विरुद्ध जारी किया जाता है, जिनकी गतिविधियां क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बनती हैं। आदेश का उल्लंघन गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इन आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच ने मनोज उर्फ टुकी निवासी विजय नगर, इरफान उर्फ तोता निवासी अर्जुन नगर, दानिश खान निवासी हमीदिया अस्पताल कैम्पस, शनि उर्फ अंकिता निवासी प्रताप नगर, शाहरुख खान उर्फ अकू, सुमित करोसिया निवासी ज्योतिबा फुले नगर, राजू उर्फ बसंत निवासी सौरभ कांलोनी, बिलाल निवासी अर्जुन नगर और आशीष खेदे उर्फ आशीष बलाई निवासी इंद्रा नगर मल्टी को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच के एडीसीपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आरोपियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह विशेष अभियान जारी रहेगा।

आधारित तकनीकी सहयोग के संबंध में राउंड टेबल मीटिंग की। मीटिंग में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री एम. सेल्वेन्दन, गूगल क्लाउड इंडिया के निदेशक (पब्लिक सेक्टर) श्री आशीष वत्तल, एपीएसी क्षेत्र के निदेशक श्री मदन ओबरोय, श्री पंकज शुक्ला, श्री लोकेश लोहिया, डॉ. रुरुति गाडगील, श्री विजय गुंजाटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने बताया कि राज्य

पुलिस प्रशिक्षण शाला भौरी में चतुर्थ नव आरक्षक बैच का दीक्षांत परेड समारोह संपन्न

521 नव आरक्षकों ने राष्ट्रध्वज एवं संविधान को सामानकर ली शपथ

पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने ती दीक्षांत परेड की सलामी

भोपाल/नवप्रदेश। स्वाभिमान से ऊँचा मस्तक, अनुशासित कदम, अदम्य साहस से भरा सीना और देशभक्ति के जज्बे के साथ जब आर्क्षक दीक्षांत परेड आगे बी तो सभी रोमांचित हो गए। मौका था पुलिस प्रशिक्षण शाला भौरी भोपाल में चतुर्थ नव आरक्षकों के भव्य दीक्षांत समारोह का। पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस भोपाल संजय कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि दीक्षांत परेड की सलामी ली और खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। दीक्षांत परेड समारोह के बाद 521 आरक्षक विधिवत रूप से मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्य धारा में शामिल हो गए। जिनमें 322 महिला नव आरक्षक एवं 199 पुरुष आरक्षक शामिल हैं। समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस



आयुक्त संजय कुमार ने कहा कि Passing Out Parade अर्थात दीक्षांत परेड पुलिस विभाग में भर्ती प्रत्येक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण होता है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात एक पुलिसकर्मी पूर्ण रूप से तैयार होकर फील्ड में जाता है, जहां उसे समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होता है। उन्होंने कहा कि

पुलिस ऐसा विभाग है, जिससे जनसामान्य की अपेक्षाएं अत्यधिक होती हैं। कमजोर एवं पीड़ित व्यक्ति के लिए विषम परिस्थितियों में पुलिस ही उम्मीद की किरण बनती है। अपराधिक न्याय प्रणाली में पीड़ितों को न्याय दिलाने का प्रथम सोपान पुलिस है। किसी दुर्घटना या अनहोनी के समय वदींधारी पुलिस जवान चायल एवं पीड़ित व्यक्तियों को

साहस और भरोसा प्रदान करता है। संजय कुमार ने कहा कि पुलिस की वदीं केवल किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे पुलिस विभाग का प्रतिनिधित्व करती है। एक पुलिसकर्मी के आचरण एवं कार्यशैली से ही विभाग की छवि निर्मित होती है। अतः सभी नव आरक्षकों को ईमानदारी, संवेदनशीलता, अनुशासन एवं जनसेवा की भावना के साथ

अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उप निदेशक डॉ संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान नव आरक्षकों को आधुनिक पुलिसिंग की अवधारणा एवं व्यवहारिक दक्षताओं के अनुरूप तैयार किया गया, जिससे वे भविष्य में कुशल एवं जनसेवा के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी के रूप में अपनी भूमिका निभा सकें। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को शपथ दिलाई। पुलिस प्रशिक्षण शाला भौरी में चतुर्थ नव आरक्षक बैच का प्रशिक्षण 30 जून 2025 से प्रारंभ हुआ था, जो दीक्षांत परेड के साथ पूर्ण हुआ। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रशिक्षुओं को पुलिस कार्य प्रणाली, कानून व्यवस्था, साइबर अपराध, सामुदायिक पुलिसिंग एवं व्यवहारिक पुलिस कार्यों से संबंधित थाना प्रबंधन जैसे विषयों का व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त बाह्य प्रशिक्षण के अंतर्गत शारीरिक

दक्षता, आर्म्स प्रशिक्षण, यूएसी, योगा तथा हार्टफुलनेस का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे प्रशिक्षुओं में अनुशासन, मानसिक संतुलन एवं सेवा भावना का विकास हो सके। अंत में मुख्य अतिथि एवं उप निदेशक डॉ संजय कुमार अग्रवाल ने प्रशिक्षण में उत्कृष्ट रहे प्रशिक्षु नवआरक्षकों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती रूचिवर्धन मिश्र, उप पुलिस महानिरीक्षक (पीएसओ टू डीजीपी) डॉ. विनीत कपूर, उप पुलिस महानिर्संजय प्रशिक्षण मनीष कुमार अग्रवाल, कमार्डेंट सशस्त्र सीमा बल देवानन्द, सहायक निदेशक प्रशिक्षण राहमण पाण्डेय, एसपी पीटीएस यासमीन जहरा, सहायक निदेशक बाह्य प्रशिक्षण श्रीमती ज्योति उमठ एवं संस्थान के स्टाफ सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी गरिमामयी दीक्षांत समारोह के साबने।

एमपी में अब 28 मई तक होगी गेहूं खरीदी सरकार : सीएम बोले- बेल रिजेक्शन आवेदन भी लगाएंगे

पति के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश सरकार दिवशा शर्मा सदित्ध मौत मामले की सीबीआई जांच के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। उसकी सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के जमानत के खिलाफ रिजेक्शन एप्लीकेशन भी लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दिवशा के परिजन को ये आश्वासन दिया है। दरअसल, दिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने रिटायर्ड सैनिकों के साथ बुधवार को मुछ्ममंत्री से मुलाकात की। इस दौरान सीएम यादव ने कहा कि सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। यदि कोर्ट दोबारा पोस्टमॉर्टम के निर्देश देता है तो पार्थिव शरीर को दिल्ली एम्स तक भिजवाने का काम भी सरकार



करेगी। बता दें कि परिजन ने दिवशा के शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भोपाल कोर्ट में आवेदन दिया है, जिस पर सुनवाई जारी है। वहीं, दिवशा के फरार पति समर्थ सिंह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया जा चुका है। उधर, राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। वहीं, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने भी मामले की जांच CBI से कराने की मांग उठाई है। दिवशा के परिजन ने

रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह को कंज्यूम फोरम से हटाने के लिए राजपाल डॉ. मांगू भाई पटेल को पत्र भी लिखा है। इसमें कहा है कि गिरीबाला पर दहेज हत्या की FIR दर्ज है, इसलिए उन्हें पद से हटाया जाए। गिरीबाला सिंह फिलहाल डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर फोरम में जज हैं। भोपाल पुलिस ने दिवशा के पति समर्थ सिंह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने कहा- एसआईटी हर एंगल

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मध्यप्रदेश बंद, भोपाल समेत 41 हजार मेडिकल स्टोर्स पर ताले

भोपाल/नवप्रदेश। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मध्यप्रदेशभर में 41 हजार मेडिकल स्टोर्स बंद रहे। भोपाल में भी 3 हजार से ज्यादा दवा दुकानों पर ताले लगे। दवा कारोबारियों ने ऑनलाइन फार्मेसी को मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए प्रदर्शन किया, जबकि अस्पतालों के मेडिकल स्टोर्स खुले रहे गए। मध्यप्रदेश में बुधवार को दवा कारोबार पर बड़ा असर देखने को मिला। ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में प्रदेशभर के करीब 41 हजार मेडिकल स्टोर्स बंद रहे गए। राजधानी भोपाल में भी 3 हजार से ज्यादा दवा दुकानों ने बंद का समर्थन किया, जिससे शहर के प्रमुख मेडिकल बाजारों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि अस्पताल परिसरों के भीतर संचालित मेडिकल स्टोर्स खुले रहे, ताकि गंभीर मरीजों को परेशानी न हो। यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ



केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर किया गया। दवा व्यापारियों ने ऑनलाइन फार्मेसी व्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कहा कि बिना पर्याप्त निगरानी के दवाइयों की बिक्री मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है।

भोपाल में सड़कों पर उतरे दवा कारोबारी

राजधानी भोपाल में सुबह से ही दवा व्यापारी एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए। थोक दवा बाजार में कारोबारियों ने

नारेबाजी की और ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन के बाद प्रशासन को ज्ञापन सौंपने की तैयारी भी की गई। कारोबारियों का कहना है कि मेडिकल स्टोर्स पर प्रशिक्षित फार्मासिस्ट की मौजूदगी में दवाइयां दी जाती हैं, जबकि ऑनलाइन बिक्री में इस प्रक्रिया की सही निगरानी नहीं हो पाती।

मरीजों की सुरक्षा का मुद्दा सबसे बड़ा

दवा व्यापारियों ने आरोप

लगाया कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फर्जी प्रिस्क्रिप्शन, भारी छूट और बिना पर्याप्त जांच के दवाइयों की सप्लाई हो रही है। उनका कहना है कि इससे गलत दवाओं के इस्तेमाल और प्रतिबंधित दवाओं के दुरुपयोग का खतरा बढ़ सकता है। व्यापारियों ने साफ कहा कि उनका विरोध केवल कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों की सुरक्षा और दवा वितरण व्यवस्था को नियंत्रित रखने का मुद्दा भी है।

अस्पतालों को रखा गया बंद से अलग

बंद के बावजूद अस्पतालों के भीतर चल रहे मेडिकल स्टोर्स को राहत दी गई है। इसके अलावा जरूरतमंद मरीजों तक दवाइयां पहुंचाने के लिए जिला स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था भी बनाई गई है, ताकि आपात स्थिति में किसी को परेशानी न हो।

मध्यप्रदेश पुलिस का ‘ऑपरेशन मुस्कान’ बना बिछड़े बच्चों के लिए उम्मीद की किरण

विगत एक सप्ताह में दिल्ली, गुजरात, बिहार एवं उत्तरप्रदेश से 5 नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर लौटाई परिवारों की मुस्कान

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संचालित ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न जिलों में अपहृत एवं गुमशुदा नाबालिग बालक-बालिकाओं की खोज हेतु निरंतर, समन्वित एवं तकनीकी रूप से सशक्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में पुलिस टीम ने प्रदेश के अन्य राज्यों से 5 गुमशुदा नाबालिग बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है।

उज्जैन

जिले के उन्हेल थाना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही करते हुए गुमशुदा 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को प्रकरण दर्ज होने के 16 दिवस के भीतर हापुड़ (उत्तरप्रदेश) से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है।

कटनी

जिले में भी ऑपरेशन मुस्कान के तहत लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई। बरही थाना पुलिस ने अपहृत बालिका को दिल्ली से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया। वहीं

थाना स्लीमनाबाद पुलिस ने एक अन्य गुमशुदा नाबालिग बालिका को बिहार के पटना जिले से सुरक्षित खोज निकाला।

मुरेना

जिले के थाना कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा 16 वर्षीय नाबालिग बालिका को प्रकरण दर्ज होने के 16 दिवस के भीतर हापुड़ (उत्तरप्रदेश) से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया।

गुना

जिले में अपहृत अथवा गुमशुदा नाबालिगों की दस्तयाबी हेतु सतत एवं संवेदनशील कार्रवाई के तहत कोतवाली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए प्रत्येक किशोरी को दिल्ली से सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों से मिलाया। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाया जा रहा ऑपरेशन मुस्कान केवल एक अभियान नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा एवं परिवारों की भावनाओं से जुड़ा मानवीय प्रयास बन चुका है। प्रदेश पुलिस द्वारा तकनीकी संसाधनों, साइबर ट्रैकिंग, स्थानीय पुलिस समन्वय एवं निरंतर मैदानी प्रयासों के माध्यम से गुमशुदा बच्चों की तलाश में लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी बालक अथवा बालिका के गुम होने की स्थिति में तत्काल निकटतम थाना अथवा डायल-112 पर सूचना दें, ताकि त्वरित कार्रवाई कर बच्चों को सुरक्षित खोजा जा सके। अभियान के अंतर्गत गुमशुदा बच्चों की तलाश एवं दस्तयाबी की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी।

इंदौर में स्थापित होगा एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, 10 हजार डेवलपर्स को मिलेगा प्रशिक्षण

एआई आधारित नवाचारों और डिजिटल तकनीक से सशक्त होगा सुशासन

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को मंत्रालय में गूगल क्लाउड इंडिया के पदाधिकारियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पदाधिकारियों के साथ प्रदेश में प्रशासनिक दक्षता संवर्धन, एआई आधारित सुशासन और सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में एआई

आधारित तकनीकी सहयोग के संबंध में राउंड टेबल मीटिंग की। मीटिंग में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री एम. सेल्वेन्दन, गूगल क्लाउड इंडिया के निदेशक (पब्लिक सेक्टर) श्री आशीष वत्तल, एपीएसी क्षेत्र के निदेशक श्री मदन ओबरोय, श्री पंकज शुक्ला, श्री लोकेश लोहिया, डॉ. रुरुति गाडगील, श्री विजय गुंजाटे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मंडलोई ने बताया कि राज्य



सरकार और गूगल क्लाउड इंडिया के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोग स्थापित किया जा रहा है। इसमें इंदौर में -सेंटर फॉर एक्सीलेंस- स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए शीघ्र ही एमओयू होगा। यह सेंटर एआई

आधारित नवाचार, अनुसंधान, स्किल डेवलपमेंट और तकनीकी समाधान विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। सेंटर से 10 हजार से अधिक एआई डेवलपर्स को जोड़ा जाएगा, जो मध्यप्रदेश सहित देश और साउथ ग्लोबल की

आवश्यकताओं के अनुरूप रियल टाइम तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएंगे। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के पश्चात हुई इस उच्च स्तरीय बैठक में गूगल क्लाउड इंडिया ने समृद्ध मध्यप्रदेश की अवधारणा के अनुरूप एआई आधारित विकास और सुशासन के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। बैठक में सिंहस्थ-2028 को स्मार्ट और तकनीक-सक्षम आयोजन के रूप में विकसित करने पर विशेष चर्चा हुई। गूगल द्वारा प्रस्तुत एआई फ्रेमवर्क में रियल टाइम भीड़ प्रबंधन, प्रेडिक्टिव ट्रैफिक एवं

सुरक्षा विश्लेषण, एआई आधारित इमरजेंसी रिसपांस सिस्टम और डिजिटल दिवन मॉडल जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं शामिल हैं। बैठक में सहायक नामक बहुभाषीय एवं वॉइस-सक्षम एआई एप्लिकेशन की अवधारणा भी प्रस्तुत की गई, जो सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ की स्थिति, मार्गदर्शन, ट्रैफिक व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं की रियल टाइम जानकारी स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध कराएगा। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और आयोजन प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार होगा।



सिंहस्थ-2028: ब्रिज निर्माण में देरी पर सख्त हुए संभागायुक्त, एजेंसी पर 5 लाख की पेनल्टी

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 महापर्व की तैयारियों के तहत शिप्रा तट पर निर्माणाधीन ब्रिज कार्यों का बुधवार को संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रैशन कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संभागायुक्त ने संबंधित निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। सिंहस्थ महापर्व के दौरान शिप्रा तट पर संत-महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा, भीड़ नियंत्रण तथा सुगम



यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नए ब्रिजों का निर्माण कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्माण स्थल पर स्थापित कालिंदी कंट्रोल लैब का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि ब्रिज निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए और त्रिवेणी उसकी रिपोर्ट रजिस्टर में संधारित की जाए। उन्होंने लैब में रखे अभिलेखों का अवलोकन कर आवश्यक जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान श्री अंगारेश्वर मंदिर से श्री सिद्धिविनाथ मंदिर को जोड़ने वाले निर्माणाधीन ब्रिज कार्य में अपेक्षित गति

नहीं मिलने पर गुजरात की निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई। संभागायुक्त ने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, अन्यथा आगे और सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा इंदौर रोड स्थित डी-मार्ट के सामने सड़क निर्माण कार्य और त्रिवेणी हिल्स से सिकंदरी के बीच शिप्रा तट पर चल रहे ब्रिज निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने सभी एजेंसियों को समयसीमा और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

नवनिर्मित तरणताल फिर हुआ बंद, पानी की गुणवत्ता को लेकर युवाओं ने जताया विरोध

उज्जैन/नवप्रदेश। कोठी रोड स्थित नवनिर्मित तरणताल एक बार फिर पानी की गुणवत्ता संबंधी समस्या के कारण बंद कर दिया गया। बुधवार सुबह तैराकी के लिए पहुंचे कुछ युवाओं ने तरणताल बंद मिलने पर नाराजगी जताते हुए प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। जानकारी के अनुसार लगभग 8.30 करोड़ रुपये की लागत से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पुराने स्विमिंग पूल की जगह नया तरणताल तैयार किया गया है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए इसे शहरवासियों के लिए शुरू किया गया था, लेकिन संचालन व्यवस्था और रखरखाव संबंधी समस्याओं के कारण बार-बार बाधाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले भी पानी गाढ़ होने की शिकायत के चलते 10 मई की शाम से 12 मई तक तरणताल को सफाई कार्य के लिए बंद किया गया था। पूल के बाहर इसकी सूचना भी लगाई गई थी, लेकिन निर्धारित समय में सफाई कार्य पूरा नहीं होने के कारण इसे 15 मई को पुनः शुरू किया गया। हालांकि, शुरू होने के कुछ दिन बाद ही एक बार फिर पानी की गुणवत्ता को लेकर समस्या सामने आने पर बुधवार को इसे बंद कर दिया गया। सुबह तैराकी के लिए पहुंचे लोगों ने इसे लेकर असंतोष जताया और व्यवस्था पर सवाल उठाए। बाद में कुछ समय तक प्रदर्शन करने के बाद सभी लोग वहां से चले गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए इस तरणताल में नियमित रखरखाव और बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि नागरिकों को बार-बार असुविधा का सामना न करना पड़े।

खाचरोद में गुरुनानक मार्ग के सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ, क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत

खाचरोद/नवप्रदेश। नगर के वार्ड क्रमांक-6 अंतर्गत गुरुनानक मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिलीपसिंह गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भगवा सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भगवा ने बताया कि गुरुनानक मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में था। पापलान्दन कार्य के लिए सड़क खोदने के कारण मार्ग की स्थिति और खराब हो गई



थी, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होने की शिकायतें सामने आ रही थीं। क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग भी की जा रही थी। उन्होंने बताया कि यह मार्ग रावला क्षेत्र और थोक सब्जी मंडी को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। सड़क खराब होने के कारण वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नगर पालिका द्वारा क्षेत्र की आवश्यकता और नागरिकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है। साथ ही निर्माण एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इस अवसर पर नगर पालिका उपअध्यक्ष दिनेश ठन्ना, पाबंद पदस्थ वाकतारिया, नगराण मंडाविलिया, पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र धाकड़, राहुल मेहता, बाबू नागर, जितेंद्र पांचाल, शहर काजी डॉ. उरूज अहमद, गुलनगर हुसैन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजीज टेंटर, अनवर हुसैन, किन्नर कुमकुम बाई सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वयोवृद्ध महंत जयराम दास त्यागी जी महाराज का साकेत गमन, चक्रतीर्थ पर दी गई अंतिम विदाई

उज्जैन/नवप्रदेश। श्री श्री 108 श्री महंत रामबली दास जी महाराज के कृपा पात्र और पीपलीनका क्षेत्र के महाश्वर नगर स्थित पातेश्वर महादेव मंदिर व आश्रम के वयोवृद्ध महंत श्री जयराम दास त्यागी जी महाराज का मंगलवार 19 मई 2026 को शाम 5 बजे साकेत गमन हो गया। वे 90 वर्ष से अधिक आयु के थे और बचपन से ही साधु जीवन व्यतीत कर रहे थे। बुधवार 20 मई को सुबह 9 बजे उनके आश्रम पातेश्वर महादेव मंदिर से अंतिम यात्रा निकाली गई और चक्रतीर्थ पर उन्हें अंतिम विदाई दी गई। अंतिम यात्रा के दौरान संत समाज और श्रद्धालु मार्ग भर भजन गाते हुए चक्रतीर्थ पहुंचे, जहां उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम संस्कार में रामादल अखाड़ा परिषद के संतों की विशेष उपस्थिति रही। महाराज जी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे प्रमुख संतों में रामादल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास जी, ऋणुक्रेश्वर मंदिर के महंत महाश्वर नाथ जी, भगवान दास जी, महंत बलराम दास जी, महंत राघवेंद्र दास जी, महंत विशाल दास जी, महंत हरिहर दास जी, महंत अलुपन राम राम खेरी, महंत हनुमान दास जी, महंत कृष्णा दास जी और महंत रूप किशोर एसिक सहित अन्य संत व महंत उपस्थित रहे। महाराज जी की स्मृति में शांति प्रार्थना आगामी बुधवार को शाम 5 बजे उर्दू पुरा स्थित मारवाड़ा माली समाज धर्मशाला में आयोजित की जाएगी।

सर्व कोरी कोली समाज उत्थान केंद्र भवन का उद्घाटन 24 मई को होगा

उज्जैन/नवप्रदेश। सर्व कोरी कोली समाज उत्थान संघ द्वारा समाज के विकास और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्मित सर्व कोरी कोली समाज उत्थान केंद्र भवन का उद्घाटन 24 मई को किया जाएगा। हामूरखेड़ी, देवास रोड स्थित बिजासन माता मंदिर के समीप लगभग 50 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भवन का उद्घाटन जल संसाधन एवं ग्रामीण विकास मंत्री कुंवर भाई बावलिया करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री अनिल फिरोजिया द्वारा की जाएगी। संस्था पदाधिकारियों के अनुसार यह भवन सामाजिक, शैक्षणिक और विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों के संचालन के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाजजन की उपस्थिति रहने की संभावना है।

उज्जैन में 31 मई को होगा शिवसेना युवासेना का युवा महोत्सव, तैयारियां हुई तेज

उज्जैन/नवप्रदेश। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 31 मई को शिवसेना युवासेना द्वारा भव्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर संगठन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस संबंध में आयोजित पत्रकार वार्ता में पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की जानकारी साझा की। बताया गया कि युवा महोत्सव 31 मई को सुबह 11:30 बजे से मौनीतीर्थ पीठ आश्रम, शिप्रा तट (गंगा घाट), मंगलनाथ रोड पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव किरणदादा साली विशेष रूप से शामिल होंगे। साथ ही प्रदेश पदाधिकारी और उज्जैन संभाग के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति



रहेगी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिवसेना युवासेना मध्यप्रदेश के राज्य प्रमुख अनुग सोनार ने बताया कि कार्यक्रम में सांस्कृतिक, धार्मिक और हिंदुत्व से जुड़े विषयों पर विशेष चर्चा होगी। इसके अलावा युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया

जाएगा। उन्होंने बताया कि अगामी नगरीय निकाय चुनावों को लेकर संगठनात्मक रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही यह पहली बार होगा जब शिवसेना के राष्ट्रीय सचिव किरणदादा साली का उज्जैन आगमन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और सभी पदाधिकारी तैयारियों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान शिवसेना और युवासेना मध्यप्रदेश के विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों का परित्यज जिला अध्यक्ष लखन चौहान द्वारा कराया गया।

किन्नर के घर में देर रात लूट, मारपीट के बाद नकदी और जेवर लेकर फरार हुए बदमाश

उज्जैन/नवप्रदेश। जिले के उज्जैन क्षेत्र में देर रात एक किन्नर के घर में घुसकर नकदी और आभूषण लूटने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने किन्नर और उसकी शिष्या के साथ मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया और घर में रखी नकदी एवं जेवरात लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार किन्नर गुरु शकीला (46) अपनी शिष्या गिरी के साथ रहती हैं। रात करीब 12 बजे दोनों घर में सोने की तैयारी कर रही थीं, तभी तीन बदमाश घर में घुस आए। बताया जा रहा है कि दो आरोपी छत के रास्ते घर में पहुंचे और बाद में अंदर से दरवाजा खोलकर अपने एक अन्य साथी को भी बुला लिया। तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे कपड़े से ढंक रखे थे। आरोप है कि उन्होंने शकीला और गिरी के साथ मारपीट की, जिससे दोनों कुछ समय के लिए बेहोश हो गईं। इसके बाद आरोपी घर में रखे करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकद, सोने के मंगलसूत्र और अन्य आभूषण लेकर मौके से फरार हो गए। पीड़िता शकीला के अनुसार मारपीट के बाद दोनों करीब डेढ़ से दो घंटे तक बेहोश रहीं। होश आने पर उन्होंने आसपास के लोगों और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पीड़ितों ने बताया कि हमलावरों के चेहरे ढंके होने के कारण उनकी पहचान नहीं हो सकी।

अशुद्ध पेयजल मामले में जिम्मेदारों को बचाने की कोशिश का आरोप, अभय चोपड़ा ने उठाए सवाल

नागदा/नवप्रदेश। शहर में लगातार सामने आ रही अशुद्ध पेयजल समस्या को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। नागरिक अधिकार मंच के जिलाध्यक्ष अभय चोपड़ा ने आरोप लगाया है कि इस गंभीर मुद्दे पर वास्तविक जिम्मेदारों से ध्यान भटकाने के लिए

जनप्रतिनिधियों और विरोध दर्ज कराने वाले लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। अभय चोपड़ा ने कहा कि अशुद्ध पेयजल जैसे जनहित के गंभीर मुद्दे पर समाधान तलाशने के बजाय सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए नगर पालिका पार्षदों, विपक्षी नेताओं और आंदोलन की चेतावनी देने वाले जनप्रतिनिधियों को लक्ष्य

बनाया जा रहा है। उन्होंने इसे वास्तविक जिम्मेदारों को बचाने का प्रयास बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर पालिका के प्रभावशाली पदाधिकारियों, अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) और संबंधित विभागीय अधिकारियों पर उठ रहे सवालों से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है।

उज्जैन में होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की अगली बैठक, सिंहस्थ तैयारियों का भी होगा मुआयना

उज्जैन / न व प्र देश । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि वर्ष 2027 में मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 27वीं बैठक उज्जैन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इस प्रस्ताव पर सहमति प्रदान कर दी है। बैठक के बाद श्री शाह सिंहस्थ-2028 की तैयारियों और नागरिक सुविधाओं का भी निरीक्षण करेंगे। मंत्रि-परिषद बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश नक्सल मुक्त हो चुका है और इस उपलब्धि में योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया



गया है। उन्होंने भोजशाला मामले में उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में

वृद्धि, डंडे-फांस निवेश सम्मेलन की सफलता और निगम-मंडलों के नव नियुक्त पदाधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को भी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल किया।

भीषण गर्मी में भी नहीं डिगी बच्चों की आस्था, मेघनगर में संपन्न हुआ ज़ोनल स्तरीय निरंकारी बाल समागम

उज्जैन/नवप्रदेश। 45 डिग्री की भीषण गर्मी और गर्म हवाओं के बीच भी बच्चों की आस्था और उत्साह देखने लायक रहा। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और राजपिता रमित जी के आशीर्वाद से मेघनगर के रंगपुर रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में 17 मई को ज़ोनल स्तरीय संत निरंकारी बाल समागम का मध्य आयोजन किया गया। भीषण तापमान के बावजूद बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ कार्यक्रम में भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया। उज्जैन से मीडिया सहयोग विनोद गुज्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आध्यात्मिक



मूल्यों, संस्कारों और मानवता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना था। समागम के दौरान बच्चों को प्रेरणादायक संदेशों के माध्यम से जीवन में अनुशासन, प्रेम, सेवा और सद्भाव के मूल्य से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में रतलाम से आए ज़ोनल इंचार्ज राजकुमार गंगवानी ने प्रसिद्ध गीत फ़क़वे गन के सच्चे हैं, सारी जग की आंख के तारेफ़ प्रस्तुत

कर बाल महात्माओं का आत्मीय स्वागत किया। उनके प्रस्तुतीकरण ने बच्चों और उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच विशेष उत्साह का माहौल बना दिया। वहीं उज्जैन ब्रांच के मुख्य त्रिलोक बेलाणी ने अपने आशीर्वाचन में बच्चों को जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने और आध्यात्मिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बच्चों में भविष्य की नींव छिपी होती है और सही दिशा एवं संस्कारों से वे समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में कानपुर से पधारे महात्मा घनश्याम जी ने गंध संचालन का दायित्व निभाते हुए बच्चों को अनेक

ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बातें बताईं। उन्होंने बच्चों को प्रेम, सहयोग और मानवता के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। जून-25 के अंतर्गत आयोजित इस बाल समागम में नीमच, मंदसौर, पेटलावद, जगवा, रतलाम, उज्जैन, मनासा और खड़ावद सहित विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में बच्चे अपने माता-पिता के साथ शामिल हुए। समागम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लिया। तपती दोपहर और भीषण गर्मी के बावजूद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान, उत्साह और रूढ़ानी आनंद साफ दिखाई दे रहा था।

न्यूज गैलरी

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में उज्जैन के एक हजार से अधिक मेडिकल स्टोर रहे बंद

उज्जैन/नवप्रदेश। ऑनलाइन दवा बिक्री, नकली दवाओं के कारोबार और कॉर्पोरेट कंपनियों द्वारा दिए जा रहे भारी डिस्काउंट के विरोध में ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रुगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर हुए देशव्यापी बंद का उज्जैन में व्यापक असर देखने को मिला। विरोध के चलते शहर के 1000 से अधिक रिटेल और होलसेल मेडिकल स्टोर पूर्ण रूप से बंद रहे। विरोध प्रदर्शन के तहत मध्यप्रदेश केमिस्ट एवं ड्रुगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतमचंद ढींग के नेतृत्व में दवा बाजार से कलेक्टर तक वाहन रैली निकाली गई। रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से लेकर कलेक्टर पहुंची, जहां शासन के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंप गया। ज्ञापन का वाचन जिला केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम त्रिपाठी और सचिव मनोज दुमगड़ ने किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने ऑनलाइन माध्यमों से नशीली और प्रतिबंधित दवाओं की अनधिकृत बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। व्यापारियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा कंपनियों और कॉर्पोरेट दब हवा दिए जा रहे अत्यधिक डिस्काउंट से छोटे दवा व्यवसायियों का व्यापार गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। साथ ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से नकली दवाओं के बढ़ते कारोबार पर भी चिंता व्यक्त की गई। इस आंदोलन को शहर के बड़ी संख्या में दवा व्यापारियों का समर्थन मिला। वहीं मध्यप्रदेश मेडिकल एवं सेल्स रीप्रेजेंटेटिव यूनियन ने भी केमिस्ट एसोसिएशन की मांगों का समर्थन करते हुए बंद को अपना पूर्ण सहयोग दिया।

श्री कालभैरव मंदिर में शुरू हुई ग्रीष्म दर्शन सुविधा, 500 रुपये में सीधे गर्भगृह से होंगे दर्शन

उज्जैन/नवप्रदेश। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित प्रसिद्ध श्री कालभैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब शीर्ष दर्शन की नई व्यवस्था शुरू की गई है। श्री महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर मंदिर प्रशासन ने सशुल्क वीआईपी दर्शन सुविधा प्रारंभ कर दी है। बुधवार सुबह से लागू हुई इस व्यवस्था के तहत श्रद्धालु 500 रुपये का टिकट लेकर सीधे गर्भगृह द्वार से दर्शन कर सकेगे। मंदिर प्रशासन द्वारा परिसर के बाहर टिकट काउंटर स्थापित किया गया है, जहां से श्रद्धालु सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक टिकट प्राप्त कर सकते हैं। टिकट लेने के बाद श्रद्धालुओं को विशेष प्रवेश मार्ग से सीधे गर्भगृह तक पहुंचने की सुविधा दी जाएगी, जिससे कम समय में दर्शन संभव हो सकेगे। श्री कालभैरव मंदिर अपनी अनूठी परंपरा के कारण देश-विदेश में विशेष पहचान रखता है। यहां भगवान कालभैरव को मंदिरा का भोग अर्पित किया जाता है। महाकाल मंदिर आने वाले अकिंकाश श्रद्धालु कालभैरव मंदिर में भी दर्शन के लिए पहुंचते हैं। सामान्य दिनों में प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, जबकि रविवार, रविवार और विशेष पर्वों पर यह संख्या 50 से 80 हजार तक पहुंच जाती है। आगामी सिंहस्थ महापर्व और बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए शासन द्वारा मंदिर क्षेत्र के विकास की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। करीब 125 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर में कोरिडोर निर्माण और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार प्रस्तावित है। मंदिर प्रशासक एल.एन. गर्ग के अनुसार फिलहाल यह सुविधा ऑफलाइन टिकट व्यवस्था के माध्यम से शुरू की गई है। भविष्य में इसे ऑनलाइन प्णाली से भी जोड़ा जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को और अधिक सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि अधिकृत टिकट व्यवस्था शुरू होने से शीर्ष दर्शन के नाम पर होने वाली ठगी पर भी रोक लग सकेगी।

युवा संगम रोजगार मेला 26 मई को, 200 से अधिक पदों पर मिलेगा रोजगार का अवसर

उज्जैन/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश शासन के युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 26 मई को एक दिवसीय युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) मकसी रोड ब्रिज के नीचे सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा शासकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। इनमें न्यू जील फैशन वियर प्राइवेट लिमिटेड, आइसवैट लिमिटेड, एसबीआई लाइफ, भारतीय जीवन बीमा निगम, आदित्य बिड़ला इश्योरेंस सहित विभिन्न संस्थानों की भागीदारी रहेगी। मेले में लगभग 200 से अधिक पदों पर भर्ती की जाएगी, जिनमें सेल्स एक्जीक्यूटिव, टेक्नीशियन, ट्रेनर, टीएम लीडर, बैंक ऑफिस, सुरक्षा गार्ड, ऑपरेटर, हेल्पर और ऑफिस बॉय जैसे पद शामिल हैं। महिला उम्मीदवारों के लिए हेल्पर और ऑपरेटर पदों पर विशेष भर्ती अवसर भी उपलब्ध रहेंगे।

सुविचार

कुछ लोगों को हम तो इज्जत देना चाहते हैं लेकिन वे अपने व्यवहार से साबित कर देते हैं कि उन्हें इसकी जरूरत नहीं है।

स्ट्रींग डॉंग को लेकर सुको की सख्ती

देश में लगातार बढ़ते आवागों कुत्तों के आतंक को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कठोर रूख अख्तियार किया है। गौरतलब है कि पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को लेकर यह निर्देश दिया था कि स्कूल कॉलेज, अस्पताल और अन्य सर्वाजनिक स्थानों को आवारा कुत्तों के आंक से मुक्त कराया जाये और उन्हें पकड़कर उनकी नसबंदी की जाये किन्तु सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश का राज्य सरकारों ने पालन नहीं किया उल्टे डॉंग लवर्स ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में ही एक याचिका दाखिल कर दी और कुत्तों को सर्वाजनिक स्थानों से हटाने संबंधी आदेश को वापस लेने की मांग कर दी थी। इस याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई और याचिका को खारिज करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों के हमलों से इंसानों के जीवन जीने का अधिकार खतरे में पड़ रहा है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और कोर्ट जमीनी हकीकत से आंखे नहीं फेर सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों से आम जनता की सुरक्षा करने के निर्देशों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चत करने का आदेश देते हुए एक कदम और आगे बढ़कर यह भी कहा है कि रेबिज से पीड़ित और लाइलाज बिमारी से ग्रसित खतरनाक व हिंसक कुत्तों को मारने की भी अनुमति दी जाती है। यही नहीं बल्कि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि इस आदेश का पालन करने में ढिलाई बरतने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट की अवमानना करने के लिए कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जब से आवारा कुत्तों को मारने पर प्रतिबंध लगाया गया है तभी से देश में आवारा कुत्तों की संख्या दिन दुनो रात चौपनी रफ्तार से बढ़ने लगी है आए दिन ये आवारा कुत्ते लोगों को काट लेते हैं। यहां तक की छोटे बच्चों को भी अक्सर ये कुत्ते काट खाते हैं। जिसकी वजह से छोटे बच्चों और बुजुर्गों का घर से बाहर निकलना भी दुखार हो गया है। रेबिज से ग्रसित कुत्तों के काटने से कई लोगों की मौत भी हो जाती है। इसे लेकर पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा निर्देश जारी किये थे उसपर राज्य सरकारों और नगरीय निकायों ने ध्यान नहीं दिया। नतीजतन यह समस्या और जटिल हो गई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक फैसले को आवारा कुत्तों का आतंक खत्म करने के लिए जो नए दिशा निर्देश जारी किये हैं उससे यह उम्मीद बंधती है कि अब राज्य सरकारें इसे गंभीरता से लेंगी और बहुत जल्द इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आएंगे। राज्य सरकारों को चाहिए कि वह नगरीय निकायों को इसके लिए पर्याप्त संसाधन मुहैया कराए तभी आवारा कुत्तों की नसबंदी हो पाएगी और इनकी संख्या को नियंत्रित किया जा सकेगा।

दैनिक नवप्रदेश ने उठाया ज्वलंत मुद्दा

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान बस्तर में मध्यक्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। इस बैठक में छत्तीसगढ़ के अलावा चार अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरतकत की और नक्सलमुक्त हुए क्षेत्रों के चहुमुखी विकास को लेकर बैठक में मंथन किया गया। इसके बाद हुई एक पत्रकार वार्ता के दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सामने दैनिक नवप्रदेश के बस्तर ब्यूरो चीफ अनिल सावत ने एक प्रश्न के माध्यम से ज्वलंत मुद्दा उठाया कि आदिवासी बहुल बस्तर आज तक राजधानी रायपुर से सीधी रेल के द्वारा नहीं जुड़ पाया है। दशकों से जगदलपुर से रायपुर सीधी रेल सेवा की मांग की जा रही है किन्तु अब तक रेल नेटवर्क से बस्तर को जोड़ने के लिए कोई ठोस पहल परिलक्षित नहीं हो रही है। इस बारे में केन्द्र सरकार क्या कदम उठाने जा रही है। दैनिक नवप्रदेश प्रतिनिधि के प्रश्न का केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विस्तृत उत्तर दिया और कहा कि बस्तर अब बदलाव के दौर से गुजर रहा है और इसका सर्वांगीण विकास डबल इंजन की सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे बस्तर की पीड़ा को और यहां के बाशियों की वर्षों पुरानी समस्याओं को समझ रहे हैं और इसके समाधान के लिए केन्द्र सरकार हर संभव कोशिश करेगी। गौरतलब है कि किसी भी क्षेत्र के विकास में रेलनेटवर्क का महत्वपूर्ण योगदान होता है। दशकों से पिछड़ेपन का अभिशाप झेलने वाले बस्तर में रेल सुविधाओं का नितांत अभाव है। अब दैनिक नवप्रदेश द्वारा इस बारे में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ध्यान आकर्षित किये जाने के बाद उम्मीद की जानी चाहिए कि जगदलपुर से रायपुर रेल मार्ग का चिर प्रतिक्षित स्वप्न शीघ्र ही साकार होगा।



सद्गुरु बोधामृतम्

◆ आज की सारी दुनिया परिणाम देखती है पर कोई बीज नहीं देखता। आपके दुख का एक मात्र कारण है कि आप भी केवल परिणाम देख रहे हो। उन्होंने ऐसे कह दिया !

सद्गुरु ऋतेश्वर उन्होंने वैसे कह दिया ! कितना भी सीख दे कि देखो अपने सुख और दु:ख के कारण तुम स्वयं हो। जब तक कारण को जानोंगे नहीं, निवारण कैसे होगा !

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1819 - अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर की सड़कों पर पहली बार साइकिल देखी गई इसे रिक्श्ट्र वांकर कहा जाता था। 1840 - न्यूजीलैंड को ब्रिटेन का उपनिवेश घोषित किया गया। 1851 - दक्षिण अमेरिका के कोलंबिया में गुलामी प्रथा समाप्त हुई। 1881 - अमेरिकी रेड क्रॉस संस्था की स्थापना। 1904 - पैरिस में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफ) की स्थापना। 1918 - अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने महिलाओं को मतदान की अनुमति दी। 1927 - अमेरिका के एक पायलट चार्ल्स लिंडबर्ग ने एक छोटे से विमान से न्यूयॉर्क से पैरिस के बीच बिना रुके पहली अटलांटिक पार उड़ान भरी। 1935 - क्रेटा शहर (अब पाकिस्तान में) भूकंप में बुरी तरह तबाह। 30 हजार से अधिक लोगों की मौत। 1981 - पिपरे मोरों पारस के प्रधानमंत्री नियुक्त। 1991 - तमिलनाडु के श्रीपेरम्बदूर में आत्मघामी बम हमले में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या। 1994 - दक्षिणी यमन द्वारा उत्तरी यमन से अलग होने की घोषणा।

आतंक के विरुद्ध भारत की निर्णायक लड़ाई और बदलती घाटी

भारत का इतिहास एक ओर जहां अध्यात्म, विविधता और समरसता की भूमि का रहा है, वहीं दूसरी ओर इसने अतीत और वर्तमान में अनेक आंतरिक और बाहरी संकटों का सामना भी किया है। इन संकटों में सबसे भयावह है आतंकवाद, जिसने न केवल देश की सुरक्षा व्यवस्था को लगातार चुनौती दी है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी झकझोरा है। आतंकवाद कोई सीमित भूभाग का संकट नहीं है बल्कि यह समूचे राष्ट्र की चेतना को आहत करने वाला संकट है। भारत ने सैन्य, कूटनीतिक, सामाजिक और वैचारिक मोर्चों सहित बहुस्तरीय स्तर पर दशकों तक इस समस्या का सामना किया है।



योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

निर्णायक संघर्षों की साक्षी रही है।

कभी अपनी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सूफी परंपराओं, सांस्कृतिक समृद्धि और ‘धरती के स्वर्ग’ की पहचान के लिए विख्यात यह घाटी पिछले तीन दशकों तक आतंक, रक्तपात और अस्थिरता के भयावह दौर से गुजरती रही। वर्ष 1990 के बाद जिस सुनियोजित तरीके से घाटी में कहरपंथ और आतंकवाद की जड़ें जमाई गईं, वह केवल स्थानीय असंतोष नहीं बल्कि सीमापार रची गई एक गहरी साजिश का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य भारत की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को चोट पहुंचाना था। इस दौर ने हजारों परिवारों को उजाड़ दिया, अनगिनत मासूमों की जिंदगी छीन ली और पूरी पीढ़ी को भय, असुरक्षा और हिंसा के साए में जीने के लिए विवश कर दिया। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि घाटी में अब तक हुई हजारों आतंकी घटनाओं में लगभग 42 हजार लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें निर्दोष नागरिक, सुरक्षाबलों के वीर जवान और आतंकवादी शामिल हैं। दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2000 से 2024 के बीच घाटी में 22,143 छोटे-बड़े आतंकी हमले दर्ज किए गए, जिनमें 4,981 आम नागरिकों की मौत हुई जबकि मातृभूमि की रक्षा करते हुए 3,624 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इसी दौरान भारतीय सेना और सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस और रणनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए 24,512 आतंकवादियों को मार गिराया। यह केवल आंकड़े नहीं बल्कि उन वीर जवानों के अद्वितीय शौर्य, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की गाथा हैं, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित की। हालांकि बीते एक दशक में भारत की आतंकवाद विरोधी नीति अधिक आक्रामक, तकनीक-सक्षम और रणनीतिक रूप से

प्रभावी हुई है।

गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004 से 2014 के बीच देशभर में 7,217 आतंकी हमले हुए थे जबकि वर्ष 2014 से 2024 के बीच यह संख्या घटकर 2,242 से भी कम रह गई। इस दौरान आतंकी हिंसा से होने वाली जनहानि में 70 प्रतिशत से अधिक कमी दर्ज



की गई। आम नागरिकों की मौतों में 81 प्रतिशत और सुरक्षाकर्मियों की शहादतों में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत की मजबूत सुरक्षा रणनीति, सशक्त खुफिया तंत्र और ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति ने आतंकवाद की कमर तोड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। हालांकि आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि आतंकवाद की चुनौती कितनी गहन और विस्तृत है तथा इससे निपटने के लिए भारत को कितनी रणनीतिक गहराई के साथ काम करना पड़ रहा है। 2025 के पहलगाम हमले से इतर देखें तो घाटी में हाल के वर्षों में सामान्य जीवन की बहाली का प्रमाण यही है कि आज वहां के युवा बंदूक नहीं, किताबों की ओर लौट रहे हैं। स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ी है, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में दाखिलों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है और पर्यटन के क्षेत्र में भी आशाजनक वृद्धि देखी गई है। रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी ने युवाओं को एक वैकल्पिक जीवन की राह दिखाई है। इन संकेतों से स्पष्ट है कि आतंक केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास से भी पराजित किया जा सकता है। घाटी की जनता अब समझ चुकी है कि आतंक का मार्ग केवल विनाश की ओर ले जाता

नूरजहां: मालवा की शान बना ‘आमों का शहंशाह’

शशिकांत त्रिवेदी (वरिष्ठ पत्रकार)

भारत में आम केवल एक फल नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्मृति और स्वाद की विरासत का हिस्सा है। देश के अलग-अलग हिस्सों में आम की अनेक किस्में अपनी अलग पहचान रखती हैं, लेकिन मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचल में पैदा होने वाला ‘नूरजहां’ आम अपने असाधारण आकार, दुर्लभता और स्वाद के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बन चुका है। आलीराजपुर जिले के कझीवाड़ा क्षेत्र में उगने वाला यह आम आज न केवल प्रदेश की उद्यानिकी पहचान बन रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी ‘लकजरी मैंगो’ के रूप में अपनी जगह बना रहा है। मध्यप्रदेश की जलवायु और मिट्टी आम उत्पादन के लिए लंबे समय से अनुकूल मानी जाती रही है। यहां दशरही, लंगड़ा, चौसा, सुंदरजा और केसर जैसी लोकप्रिय किस्मों के बीच नूरजहां ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आम का आकार ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्यतः इसका वजन दो से पांच किलोग्राम तक पहुंच जाता है। कई बार एक ही फल पूरे परिवार के लिए पर्याप्त साबित होता है। इसके आकर्षक रंग, हल्की सुगंध और गुदेदार मिठास ने इसे बाजार में खास बना दिया है। यही वजह है कि एक नूरजहां आम की कीमत डेढ़ हजार से तीन हजार रुपये तक पहुंच जाती है।

दिलचस्प यह है कि नूरजहां आम की पहचान

केवल उसके आकार से नहीं बनती, बल्कि उसकी दुर्लभता भी उसे विशिष्ट बनाती है। इसके पेड़ों पर

शिव (बावड़ी) आम फर्म के कृषक भरतराजसिंह

जादव बताते हैं। फल

आते हैं। उत्पादन कम होने

के कारण बाजार में इसकी

मांग हमेशा बनी रहती है।

बड़े शहरों के साथ-साथ

खाड़ी देशों में भी इसकी

विशेष मांग देखी जा रही

है। यही कारण है कि

कझीवाड़ा क्षेत्र के किसानों

के लिए यह आम अब एक

लाभकारी फसल के रूप में

उभर रहा है।

नूरजहां आम की

कहानी केवल कृषि तक

सीमित नहीं है; यह

इतिहास और परंपरा से भी

जुड़ी हुई दिखाई देती है।

माना जाता है कि इसकी

मूल प्रजाति अफ़ग़ान क्षेत्र

से भारत आई थी। बाद के वर्षों में यह गुजरात होते

हुए मालवा और झाबुआ-आलीराजपुर के आदिवासी

इलाकों तक पहुंची। यहां की जलवायु और तापमान

इस किस्म के लिए इतने अनुकूल सिद्ध हुए कि यह

क्षेत्र धीरे-धीरे नूरजहां की पहचान बन गया।



रेहे हैं, जिससे उम्मीद की जा रही है कि आने वाले

वर्षों में इसका उत्पादन कुछ बढ़ सकेगा।ज्ञात हो कि

कझीवाड़ा क्षेत्र में नूरजहां आम की प्रतिष्ठा नई नहीं

है। इसकी विशिष्टता को देखते हुए वर्ष 1999 और

2010 में इसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा

है जबकि शिक्षा, रोजगार और शांति समृद्धि की ओर। लेकिन इस यात्रा में अब भी चुनौतियां शेष हैं क्योंकि पाकिस्तान अब भी दोहरी नीति अपनाए हुए है, एक ओर शांति की बातें, दूसरी ओर आतंकवाद को समर्थन।

लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों को आज भी आईएसआई का समर्थन प्राप्त है। इस परिस्थिति में भारत की आतंकवाद के प्रति नीति और भी कठोर और स्पष्ट हो गई है, आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता। यह नीति केवल वकव्य नहीं बल्कि क्रियान्वयन की दृढ़ रणनीति है। सीमा पर सैटेलाइट निगरानी, ड्रोन तकनीक, सुरक्षाबलों की अत्याधुनिक हथियारों से तैस करना और नागरिक-सैन्य समन्वय को सशक्त करना इस नीति के कार्यान्वयन के मुख्य स्तंभ हैं। भारत अब यह भी समझता है कि आतंकवाद केवल एक सुरक्षा चुनौती नहीं है बल्कि एक वैचारिक लड़ाई भी है।

यह युवा मन को भ्रमित करके उसे हिंसा की ओर ले जाने का प्रयास करता है। ऐसे में शिक्षा, सामाजिक समरसता और संस्कृति का पुनर्प्रतिष्ठान आवश्यक है। घाटी में यदि शांति को स्थायी बनाना है तो केवल सैन्य दबाव नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक और वैचारिक प्रयास भी अत्यंत आवश्यक हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाना होगा कि राष्ट्र निर्माण का मार्ग केवल प्रतिभा, परिश्रम और सकारात्मक सोच से ही बनता है। उन्हें यह बताना होगा कि बंदूकें केवल बर्बादी लाती हैं जबकि किताबें भविष्य बनाती हैं।

आज जब भारत राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मना रहा है तो यह दिन केवल शोक या स्मरण का दिन नहीं है बल्कि यह एक सतत संकल्प का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि आतंक से लड़ाई केवल सेना की नहीं है अपितु यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जब समाज के हर वर्ग, बुद्धिजीवी, युवा, महिला, किसान, व्यापारी इस संघर्ष में भागीदार बनते हैं, तभी आतंक की जड़ें हिलती हैं। भारत जिस दिशा में बढ़ रहा है, वहां यह विश्वास किया जा सकता है कि वह दिन अब दूर नहीं, जब कश्मीर घाटी एक बार फिर से केवल चिनार की छांव, झीलों की शांति और सूफी संगीत की मिठास के लिए जानी जाएगी। यह तभी संभव है, जब आतंक की आखिरी परछाईं भी मिटा दी जाए और एक साझा सकसत्य, साझा रणनीति और साझा कार्रवाई के बल पर एक शांत, समृद्ध और एकजुट भारत का निर्माण हो।

चुका है। इन सम्मानों ने न केवल किसानों का उत्साह

बढ़ाया, बल्कि आलीराजपुर को भी राष्ट्रीय स्तर पर

पहचान दिलाई।

वहीं विदेशों में भारतीय प्रीमियम आमों की बढ़ती

मांग ने नूरजहां के लिए नए अवसर पैदा किए हैं।

संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और

कुवैत जैसे देशों में बड़े आकार के आकर्षक फलों की

मांग अधिक है। इसके अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका,

कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में बसे भारतीय

समुदाय के बीच भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है।

हालांकि उत्पादन सीमित होने के कारण इसका निर्यात

अभी बड़े पैमाने पर संभव नहीं हो पाया है, लेकिन

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी पहचान लगातार

मजबूत हो रही है।

दरअसल, नूरजहां आम केवल स्वाद या

आकार की कहानी नहीं है। यह उस कृषि परंपरा का उदाहरण

भी है, जिसमें स्थानीय किसान सीमित संसाधनों के

बावजूद दुर्लभ फसलों को संरक्षित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश उद्यानिकी विभाग

द्वारा आधुनिक तकनीक, ड्रिप सिंचाई और उन्नत

पौधों को बढ़ावा दिए जाने से प्रदेश में आम

उत्पादन को नई दिशा मिली है। ऐसे समय में जब

खेती लगातार बाजार और जलवायु की चुनौतियों

से जूझ रही है, नूरजहां जैसे फल यह संकेत देते हैं कि

स्थानीय कृषि विरासत वैश्विक पहचान का

आधार भी बन सकती है।

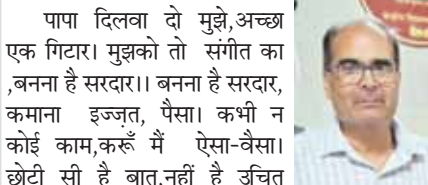
पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



स्वाहिशों के पंख... उम्मीदों की परवाज और खुला आसमां... इतना

सब कुछ और तुम्हारा साथ... यही सब कुछ तो है मेरे पास... हर पल एक हंसी... हॉ ! आँसुओं पर पहसन बनती हँसी... उस पर ढँढस बँधाता तुम्हारा प्यार और बेपरवाह सा कहना.... सब ठीक होगा.... वक आने पर... हर पल एक कठिन परीक्षा ले रहा है मांनो... टूटती आशा और विश्वास की और भी... दृढ़ और मजबूत करने वाली तुम्हारी प्रेरक बातें... हॉ !... यही सब तो है मेरे पास तुम्हारा... और क्या चाहिये भला ?... जख्मों का क्या... वो वक का मरहम भर ही देगा ॥ - **डॉ.सविता वर्मा**



पापा दिलवा दो मुझे,अच्छ एक गिटार। मुझको तो संगीत का ,बनना है सरदार। बनना है सरदार, कमना इज्जत, पैसा। कभी न कोई काम,करूँ मैं ऐसा-वैसा। छोटी सी है बात,नहीं है उचित रियाया। पूरी कर दो माँग, सुनो हे प्यारे पापा॥ -

डॉ बिपिन पाण्डेय



जरा सी आह क्या निकली, कि बंधन तोड़ आए हम। हमीं ने थाम कर रख्या , निभाने की अदाओं को ... कभी तो पूछ भी लेते , भला क्यों छोड़ आए हम ॥ - **अर्चना ताल**



क्या भारत में अधोषित आपातकाल चल रहा है । ऐसे ही पुंछ रहा था । जो लोग डूक कार

में घूमते थे वे कोई सायकल कोई बस जैसे में आ जा रहे हैं । अब तक तो जो 50 हजार

वेतन भोगी था गरीब की दो सी रूपे प नजर

रखता था ? अगर आज बेरोजगारों को

कॉकरोच कोई जिम्मेदार कह रहा है तो कुछ तो गड़बड़ है । या युवाओं

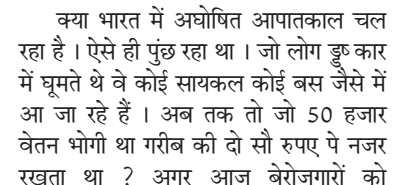
को जगाने का संदेश है । - **लक्ष्मी नारायण लहरे ' साहिल**

तूमन जब हद से बढ़ जाए तो किशियां बूझ जाती हैं और जब इंसान में घमंड बढ़ जाए,तो बड़ी-बड़ी

हस्तियां भी मिट जाती हैं इसलिए वक पर नहीं, अपने व्यवहार पर घमंड करो

क्योंकि समय सबका बदलता है ।

- **अरूणा राव**



तुम मेरे गीत के गांव तक तो चलो ... रंजोगम के महल

सारे हिल जाएंगे ! चादियों में उभर हर तरफ घूमते गुगुनाते....

मेरे गीत मिल जाएंगे ! सुरमई साँझ , झरनों तरफ जा रही दूर

की कल्पनाएं ! निकट आई भीत सी मधुर ,कल्पनाओं के संग गुगुनाते..., मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गीत के

... नफ़्तों की ये हर वो डगर छोड़ते नेह के भाव हैं , दिलों को जोड़ते बादलों की तरह सरबदो से निकल गुगुनाते ...मेरे गीत मिल जाएंगे तुम मेरे गीत के ... गीत के ... गीत के ... गी

फर्नीचर फैक्टरियों में हो रहा श्रमिकों का शोषण, संचालकों पर कार्यवाही करने शिवसेना ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। नवप्रदेश

शिवसेना ने आधारताल स्थित फर्नीचर फैक्टरियों में श्रमिकों के शोषण का आरोप लगाते हुए फैक्टरी संचालकों पर कार्यवाही की मांग की है। शिवसेना के सचिव गजानन गुप्ता के नेतृत्व में इस संबंध में कलेक्टर के नाम आधारताल तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में शिवसेना जिला सचिव गजानंद गुप्ता ने बताया कि आधारताल फैक्टरियों में लगभग 350-400 पुरुष श्रमिक एवं 100-150 महिला श्रमिक गत 10 से 15 वर्षों से कार्यरत हैं। 10 से अधिक श्रमिक होने के बावजूद किसी भी श्रमिक का बीमा नहीं कराया गया है

न्यूज गैलरी

ट्रक की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत

जबलपुर। पाटन थाना अंतर्गत गोपाल मंदिर के पास रोड किनारे पैदल जा रहे एक युवक को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे युवक के सिर पर गंभीर चोटें आ गईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौधरी मोहल्ल पाटन निवासी घनश्याम विश्वकर्मा गत रात लगभग 8.30 बजे गोपाल मंदिर से थोड़े दूर रोड किनारे पैदल जा रहा था, तभी शहपुरा तरफ से आ रहे एक ट्रक क्रमांक यूपी 78 डी टी 0425 के चालक ने पीछे से घनश्याम विश्वकर्मा को टक्कर मार दी, जिससे घनश्याम के सिर पर गंभीर चोटें आ गईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई7 टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक रुका और लोगों को आता देख ट्रक लेकर कटंगी तरफ भाग गया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

497 पाव देशी शराब जब्त, 3 गिरफ्तार

जबलपुर। कैंट एवं गोहलपुर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 497 पाव देशी शराब तथा दो दुर्गहिया वाहन जप्त किये हैं। कैंट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र पटेल ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर बिना नंबर की एक्सिस वाहन में शराब लेकर सदर तर्फ आ रहे खेरमाई माता मंदिर के बाजू में नया कंचनपुर आधारताल निवासी 29 वर्षीय केशव पटेल ऊर्फ अम्पू को मुर्गी ग्राउंड के पास गिरफ्तार कर उसके पास से 300 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की एक्सिस वाहन जब्त की है7 जब्त शराब की कीमत 22 हजार 500 रुपए बताई गई है7 पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इसी प्रकार गोहलपुर थाना प्रभारी रीतेश पाण्डे ने बताया कि गत दिवस मुखबिर की सूचना पर मोटरसाईकिल से अवैध रुप से शराब लेकर जा रहे जूनियर हाउसिंग बोर्ड कालोनी महाराजपुर 30 वर्षीय देवेंद्र शुक्ला और हरदीप मॉरि के पीछे सिंधी कैप निवासी 44 वर्षीय जयकुमार को गिरफ्तार कर उनके पास से 197 पाव देशी शराब और घटना में प्रयुक्त मोटर सायकिल जप्त करते हुये आरोपियों के विरुद्ध धारा 34 (1) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयीं ।

कलेक्टर के सामने फूटा पावला गांव के ग्रामीणों का गुस्सा

जबलपुर। बरगी विधानसभा के अंतर्गत आने वाले पावला ग्राम में आज उस समय भारी हड़कंप मच गया, जब क्षेत्र के औचक निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार की टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध और तीखे आक्रोश का सामना करना पड़ा। दरअसल यहां गांव की मुख्य सड़क कीचड़ व गंदे पानी से भरी हुई थी, जहां कलेक्टर का वाहन कीचड़ में फंस गया और ग्रामीणों ने खुलकर कलेक्टर को गांव की समस्या बताई। ग्रामीणों ने कहा कि अभी यह हाल है बरसात में और बुरी गत होती है। कलेक्टर ने उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना और अधिकारियों को निर्देशित किया। बहरहाल कलेक्टर के इस दौर में ग्रामीण विकास योजना की जमीनी हकीकत सामने आ गई। पावला गांव में बुनियादी सुविधाओं के अभाव और लगातार बढ़ रहे भ्रष्टाचार से त्रस्त ग्रामीणों ने तीनों आला अधिकारियों का मौके पर ही घेरावर कर दिया। घेराव के दौरान ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। जनता ने कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के सामने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि गांव में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां और भ्रष्टाचार किया गया है। ग्रामीणों का साफ तौर पर कहना था कि इन सभी की मिलीभगत से सरकारी योजनाओं का पैसा जमीन पर लगाने के बजाय अपनी जेबों में और कागजों पर ही ठिकाने लगा दिया गया। ग्रामीणों ने इन सभी के खिलाफ सख्त और उच्च स्तरीय वित्तीय जांच कराने के साथ-साथ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की मांग की।

शराब दुकान का विरोध करने वालों को

तत्काल धरना प्रदर्शन बंद करने के निर्देश
जबलपुर। उपनगर रांझी में जबलपुर विकास प्राधिकरण के मार्केट में नई शराब दुकान आरंभ किए जाने के खिलाफ लगभग एक पखवाड़े से चल रहे विरोध प्रदर्शन का कुछ असर हुआ हो अथवा नहीं परंतु इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई करने वाले अधिवक्ता व कांग्रेस नेता को अब जिला प्रशासन ने नोटिस जारी कर तत्काल ही धरना प्रदर्शन समाप्त करने का नोटिस देते हुए आदेश पर अमल न करने पर कार्यवाही की हिदायत दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रांझी बड़ा पत्थर अम्बेडकर पार्क के समीप कांग्रेस द्वारा शराब दुकान के विरोध में धरना- प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी धरना प्रदर्शन को लेकर अब एसडीएम रांझी ने कांग्रेस नेता अधिवक्ता राजेन्द्र मिश्रा एवं अन्य को एक नोटिस जारी कर उल्लेख किया है कि उनके द्वारा प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं ली गई है। जिसके चलते प्रदर्शन नियमानुसार न होकर नियम विरुद्ध शांति भंग किये जाने दशा को परिदर्शित करता है। एसडीएम कार्यालय ने निर्देशित किया है कि धरना प्रदर्शन कार्य तत्काल बन्द करें अन्यथा नहीं किये जाने की दशा में आपके विरुद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।



कूट रचित दस्तावेजों से विक्रय पत्र बनाने वाले जालसाजों पर मामला दर्ज

मृत को जिंदा कर करोड़ों की बेशकीमती जमीन हड़पने की साजिश

जबलपुर। नवप्रदेश

विजय नगर थानान्तर्गत कठौदा ग्राम में लगभग 22 वर्ष पूर्व मृत हुए एक जमीन मालिक को जीवित बताकर जालसाजों ने कूटरचित दस्तावेजों की मदद से फर्जी विक्रय पत्र तैयार कर करोड़ों की बेशकीमती कृषि भूमि को हड़पने का प्रयास किया है ।

भूस्वामी के पुत्र की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। विजय नगर पुलिस ने बताया कि गोटेगाव नेहरू वार्ड निवासी संजय कुमार जैन के पिता सदानंद जैन के नाम पर ग्राम कठौदा में 2.15 हेक्टेयर रकबा जमीन भूराज्यस्

रिकार्ड में दर्ज है जिस पर फिलहाल संजय जैन कृषि कार्यकर्ता है। सदानंद जैन की मृत्यु 16 मार्च 2004 को हो चुकी है। उसे जानकारी मिली कि हीरालाल कोश द्वारा फर्जी बनावटी विक्रय पत्र के आधार पर जमीन पर अपना नाम दर्ज कराने नायाब तहसीलदार को आवेदन दिया है। इस संबंध में संजय जैन ने नायब तहसीलदार न्यायालय से जानकारी हासिल की तो पता चला कि हीरालाल कोश द्वारा अन्य लोगों के साथ मिलकर

फर्जी कूटरचित ढंग से वर्ष 1990 का बनावटी विक्रय पत्र तैयार किया गया है। आरोपी हीरालाल ने किसी अन्य व्यक्ति को सदानंद बनाकर उसका फर्जी अंगूठ एवं हस्ताक्षर कराकर शासकीय अभिलेख में हेरा फेरी कर कूटरचित दस्तावेज तैयार किया है। आरोपी हीरालाल द्वारा भू स्वामी की मृत्यु के 22 वर्ष के बाद उक्त दस्तावेज प्रस्तुत कर कार्यवाही करने से दस्तावेजों की संदिग्धता और फर्जीबाड़ी प्रदर्शित होता है। सदानंद

मकान बेचकर खाली कराने का विवाद घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़

जबलपुर। नवप्रदेश

रांझी थाना क्षेत्र में मकान विवाद को लेकर एक व्यक्ति के साथ घर में घुसकर मारपीट और जातिगत अपमान का मामला सामने आया है। घटना में बीच-बचाव करने आई महिला भी घायल हो गई, जबकि आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी कार में भी तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रावास कालोनी मानेगांव रांझी निवासी 35 वर्षीय मजदूर रवि कुमार कोरी ने लगभग एक वर्ष पूर्व तरुण पटेल, सोनू यादव और सौरभ बेन से स्वयं के रहने के लिए 5 लाख 21 हजार रुपये में मकान खरीदा था। जिसके अब तक 2 लाख रुपये दे चुका है, जबकि 3 लाख 21 हजार रुपये बाकी हैं। वह शेष राशि देकर मकान की रजिस्ट्री कराना चाहता था, लेकिन आरोपी अब मकान बेचने से इनकार कर उसे मकान खाली करने का दबाव बना रहे थे।

गत रात रवि जब अपने घर पर था, तभी आरोपी तरुण पटेल, सोनू यादव, सौरभ बेन और मोनू खान उसके घर पहुंचे और बाहर से गाली-गलौज करते हुए जातिगत रुप से अपमानित कर गेट कुट्कर घर के अंदर घुस आए और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। उसकी परिचित की अंजू खान बीच-बचाव करने पहुंची तो आरोपी तरुण पटेल ने उसके सिर पर भी लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी रिनाल्ड किड कार में भी तोड़फोड़ कर आगे और पीछे का हिस्सा क्षतिग्रस्त कर दिया। घायलों को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल रांझी में भर्ती कराया गया7 पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 333, 296 (बी), 109(1), 324(4), 3(5) बीएनएस 3 (1) द, 3 (1) ध, 3 (2) (अ) एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी के विरोध में बंद रहीं दवा दुकानें

जबलपुर।

ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के देशव्यापी हड़ताल के आह्वान के तहत बुधवार 20 मई को देश और प्रदेश के साथ ही जबलपुर में भी लगभग दो हजार से अधिक दवा दुकानों पर ताले पड़े रहे ।

व्यापारी अपने मेडिकल स्टोर बंद रखकर सुबह लगभग 10 बजे सिविक सेंटर में एक हुए और यहां से उन्होंने नारेबाजी व विरोध प्रदर्शन कर रैली निकाली। विभिन्न मार्गों से होकर यह रैली कलेक्ट्रेट पहुंची जहां ऑनलाइन दवा कारोबार पर तत्काल विराम लगाने की मांग की गई। सभी दवा दुकानें बंद रहने से आम जरूरतमंद मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। हालांकि

युवा संगम का आयोजन 21 को

जबलपुर। युवाओं को निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों में अर्पिटिसशिप एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा शासन की स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देने जिला रोजगार कार्यालय, शासकीय मॉडल आईटीआई तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से गुरुवार 21 मई को युवा संगम का आयोजन किया जायेगा । उप संचालक रोजगार एम एस मरकाम ने बताया कि मॉडल आईटीआई में आयोजित युवा संगम में दसवीं, बारहवीं एवं सातक तथा आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक डिप्लोमा योग्यता वाले 18 वर्ष से 30 वर्ष की आयु के युवा शामिल हो सकेंगे। उन्हों ने बताया कि आवेदकों का साक्षात्कार के माध्यम से निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा चयन किया जायेगा।

उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे गलत दवा सेवन और दुरुपयोग की आशंका बढ़ रही है। उनका कहना है कि ऑफलाइन मेडिकल स्टोर में दवा देने से पहले पूरी जांच की जाती है जबकि आन लाइन दवा कारोबार में किसी तरह की जांच का प्रावधान नहीं है जिससे यह आम लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल सकती हैं । इसलिए इस पर तत्काल रोक लगाया जाना चाहिए। केमिस्ट संगठनों के मुताबिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना जांच और पुराने प्रिस्क्रिप्शन के आधार पर दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे गलत दवा सेवन का खतरा बढ़ रहा है।

सपा नेता ने किया एसपी से शिकायत डूठी एफआईआर का गंभीर आरोप और अवैध हिरासत का मामला गर्माया

जबलपुर। नवप्रदेश

जिले के मझौली थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। राजस्व के एक विवाद में पुलिस द्वारा कथित तौर पर अवैध हस्तक्षेप करते हुए न केवल एक गरीब परिवार के साथ बर्बरता की गई, बल्कि उन पर दबाव बनाने के लिए गंभीर धाराओं में झूठ प्रकरण भी दर्ज कर दिया गया। इस मामले में समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव आशीष मिश्रा ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर दोषी पुलिसकर्मियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

तया है पूरा मामला

शिकायत के अनुसार, ग्राम शंकराढ़ कॉलोनी निवासी मोहम्मद मजीद के पास शासन द्वारा आवंटित वैध पट्टे हैं, जिस पर वे निर्माण कार्य कर रहे थे। आरोप है कि डायल 112 के चालक मोहम्मद के प्रभाव में आकर मझौली थाने के पुलिसकर्मी मुकेश ठाकुर, सुनील और रोहित जैन ने मौके पर पहुँचकर न केवल निर्माण कार्य रुकवाया, बल्कि

अचानक ब्रेक लगाने पर ट्रकों की भिड़त में चालक की मौत

जबलपुर। नवप्रदेश

तिलवारा थानान्तर्गत कल दोपहर लगभग 2 बजे नागपुर जबलपु रोड स्थित एक होटल के समीप आगे चल रहे एक ट्रक के चालक धीमा करने लगाये गये ब्रेक के कारण पीछे चल रहा रहा तेज रफ्तार ट्रक उस ट्रक से टकरा गया ।

घटना में ट्रक के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जिसे ईलाज के लिए मेडिकल अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टर ने चैक कर उसे मृत घोषित कर दिया ।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने पिलाने के 26 मामले दर्ज



जबलपुर। नवप्रदेश

शहर में चलाए जा रहे नशा मुक्त मध्य प्रदेश अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जबलपुर पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय के निदेश पर सार्वजनिक स्थानों पर शराब पिलाने वालों और अवैध शराब कारोबार में लिप्त आरोपियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान थाना संजीवनी नगर में 7, माधेताल में 5, ओमती में 2, अमराताल, गोहलपुर, विजय नगर और बेलबाग में 1-1 मामले सहित कुल 26 व्यक्तियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 536 पाव देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा 15 लीटर कच्ची शराब जब्त की। इसके अलावा पिछले 24 घंटों में आदतन अपराध करने वाले 3

आरोपियों पर धारा 129 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। वहीं विवाद और शांति भंग का आशंका को देखते हुए 109 व्यक्तियों पर धारा 126/135(3) बीएनएसएस तथा 20 लोगों पर धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे 4 गैरम्यादी और 15 म्यादी वारंटियों को गिरफ्तार किया, जबकि 78 जमानती वारंट भी तामील किए गए। इसी प्रकार थाना विजय नगर और हनुमानताल पुलिस ने दो व्यक्तियों के खिलाफ आर्मस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए दो चाकु जब्त किए। वहीं यातायात नियमों के उल्लंघन पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 224 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई और कुल 1 लाख 7 हजार 700 रुपये का समन शुल्क वसूला गया।

सीसीटीवी फुटेज खोलेंगे पोल

सपा नेता आशीष मिश्रा ने मांग की है कि मझौली थाने के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि प्रार्थी को कितनी देर और किस आधार पर थाने में प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि यह पूरी साजिश जमीन हड़पने के उद्देश्य से रची गई है।

क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देगा ‘प्रगति-2026’ भारतीय सेना ने किया स्वागत

उमरोई/ए। मेघालय के उमरोई सैन्य स्टेशन में मंगलवार को बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास ‘प्रगति-2026’ का शुभारंभ हुआ। इस अभ्यास में भारत सहित 12 मित्र देशों की सेनाएं भाग ले रही हैं। भारतीय सेना ने सभी विदेशी सैन्य टुकड़ियों का पारंपरिक और गर्मजोशी से स्वागत किया। इस सैन्य अभ्यास में भूटान, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, फिलीपींस, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम की सैन्य टुकड़ियां भाग ले रही हैं। यह अभ्यास क्षेत्रीय सहयोग और सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।



आतंकवाद-रोधी अभियानों पर रहेगा फोकस

दो सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में अर्ध-पहाड़ी और जंगल क्षेत्रों में आतंकवाद-रोधी अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयुक्त योजना अभ्यास, सामरिक स्तर के अभियान और समन्वित सैन्य संचालन शामिल होंगे। इस दौरान सैनिकों की अनुकूलन क्षमता, सहनशक्ति और सामरिक दक्षता को बेहतर बनाने पर जोर रहेगा।

आत्मनिर्भर भारत की झलक भी दिखेगी

अभ्यास के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी और रक्षा कंपनियों ‘आत्मनिर्भर भारत’ पहल के तहत विकसित स्वदेशी रक्षा उपकरणों और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन करेंगी। इससे भाग लेने वाले देशों के बीच ज्ञान साझा करने और रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को मिलेगा बल

अभ्यास ‘प्रगति-2026’ से क्षेत्रीय भागीदार देशों के बीच सैन्य सहयोग और पेशेवर संबंधों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके जरिए साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक समन्वित और सामूहिक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलेगी।

ट्रंप के दौरे के बाद बीजिंग में शी-पुतिन की अहम बैठक



■ ईरान से लेकर यूक्रेन युद्ध तक कई मुद्दों पर चर्चा बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनके रूसी समकक्ष क्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को बीजिंग में व्यापक वार्ता की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ ईरान, यूक्रेन युद्ध, वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 14-15 मई को बीजिंग का दौरा किया था। ट्रंप और शी जिनपिंग के बीच भी ईरान, यूक्रेन युद्ध, व्यापारिक तनाव और क्षेत्रीय हालात को लेकर लंबी बातचीत हुई थी। ऐसे में शी और पुतिन की यह मुलाकात वैश्विक राजनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है। बीजिंग स्थित ग्रेट हॉल ऑफ़ पीपल में वार्ता से पहले शी जिनपिंग ने पुतिन का औपचारिक

आर्थिक तूफान सिर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री टॉफी बांट रहे हैं : राहुल

नई दिल्ली/ए। लोकसभा विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लिया है। रायबरेली में एक रैली में राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि विदेश मत जाओ, सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक वाहन खरीदो। आने वाले समय में किसानों के पास खाद नहीं होगी। देखिए कुछ महीनों में महंगाई कहां तक पहुंचती है, पेट्रोल, डीजल, तेल, गैस, दालों और चावल की कीमतें कहां तक जाती हैं। प्रधानमंत्री खुलेआम कहते हैं कि सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, और वे खुद हजारों करोड़ रुपये के विमानों से विदेश जाते हैं। साथ ही राहुल गांधी ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह गद्दार हैं। रैली में राहुल गांधी ने कहा कि संविधान पर हमला हो रहा है और इसे डॉ. बी. आर. अंबेडकर और महात्मा गांधी की आवाजों का प्रतिनिधित्व करने वाला दस्तावेज बताया, जिसकी रक्षा की जानी चाहिए। वह रायबरेली में अपने संसदीय क्षेत्र में क्रांतिकारी वीर पासी की स्मृति में आयोजित ‘बहुजन स्वाभिमान



सभा’ को संबोधित कर रहे थे। वीर पासी इसी जिले से थे। राहुल ने कहा, अन्य वक्ताओं को सुनते हुए मुझे लगा कि हम वीर पासी और डॉ. अंबेडकर को याद करते हैं, लेकिन जिस विचारधारा के लिए वे खड़े थे, उसकी ठीक से रक्षा नहीं हो रही है, क्योंकि हमारी आंखों के सामने संविधान पर हमला हो रहा

प्रधानमंत्री हसकर रील बना रहे



इसके साथ ही उन्होंने एक्स के जरिए भी पीएम मोदी को निशाने पर लिया। राहुल ने लिखा- आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं। किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सब रो रहे हैं - PM हंसकर रील बना रहे हैं, और बीजेपी वाले ताली बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है।

है। राहुल गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की आर्थिक व्यवस्था को बेच दिया है। उन्होंने भारत की आर्थिक व्यवस्था अंबानी, अडानी और अमेरिका के हवाले कर दी है। अब एक आर्थिक तूफान आने वाला है, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत

सरकार आपको बचा नहीं पाएंगे... वे रोएंगे और कहेंगे कि यह मेरी गलती नहीं है। मैं आपको बता रहा हूं, गलती सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और आएएसएस की है क्योंकि उन्होंने इसे (संविधान को) नष्ट कर दिया है।

आने वाले महीनों में महंगाई तेजी से बढ़ेगी

राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अपील का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने ईंधन की खपत, सोने की खरीद और विदेश यात्रा कम करने की बात कही थी, ताकि कीमतों में भारी वृद्धि की चेतावनी दी जा सके। उन्होंने कहा, आने वाले महीनों में महंगाई तेजी से बढ़ेगी। पेट्रोल, डीजल, गैस, अनाज, हर चीज की कीमतें बढ़ेंगी। उन्होंने पीएम मोदी की इस बात के लिए आलोचना की कि विदेश

यात्रा न करने की अपील के तुरंत बाद ही वे पांच देशों के दौरे पर चले गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री एमएनआरईजीए को कमजोर करके, जाति जनगणना न कराकर और चुनिंदा उद्योगपतियों का पक्ष लेकर दिन-रात संविधान पर हमला कर रहे हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि अंबानी और अडानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के हितों को देश के हित की कीमत पर प्राथमिकता दी जा रही है।

बीएचयू के ‘ब्राह्मणवादी पितृसत्ता’ सवाल पर बढ़ा सियासी बवाल

नई दिल्ली/ए। बीएचयू की एमए इतिहास परीक्षा में पूछे गए ‘ब्राह्मणवादी पितृसत्ता’ सवाल पर विवाद गहराता जा रहा है। अब इस मामले में पीएमओ को एंट्री हो गई है। पीएमओ ने बीएचयू प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। इस मुद्दे पर धार्मिक संगठनों, राजनीतिक दलों और शिक्षाविदों के बीच बहस छिड़ी हुई है।



क्या है पूरा मामला यह मामला बीएचयू में हुए एमए इतिहास के चौथे सेमेस्टर की परीक्षा से जुड़ा है। ‘आधुनिक भारतीय समाज में महिलाएं’ विषय के प्रश्नपत्र में छात्रों से एक पूछा गया था कि ‘ब्राह्मणवादी पितृसत्ता’ शब्द से आप क्या समझते हैं? चर्चा कीजिए कि किस प्रकार ब्राह्मणवादी पितृसत्ता ने प्राचीन भारत

धार्मिक संगठनों ने भी जताई आपत्ति

इस सवाल के सामने आने के बाद राजनीतिक और शैक्षणिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। कई धार्मिक संगठनों ने भी इस प्रश्न में ‘ब्राह्मणवादी पितृसत्ता’ शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य समेत कई लोगों ने इस मामले पर सवाल उठाया है और इसे हिंदुओं की भावनाओं से जुड़ा मुद्दा बताया है।

में महिलाओं की प्रगति में बाधा डाली।=

बीएचयू प्रशासन ने क्या कहा?

बीएचयू प्रशासन ने इस विवाद पर अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि परीक्षा में पूछे गए सवालों को शैक्षणिक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के अनुसार, संबंधित प्रश्न ‘वुमेन इन मॉडर्न इंडियन हिस्ट्री’ विषय के निर्धारित पाठ्यक्रम का हिस्सा था। प्रशासन ने कहा कि विद्यार्थियों में ज्ञान और विश्लेषण क्षमता विकसित करने के लिए जरूरी है कि वे पाठ्यक्रम से जुड़े अलग-अलग पक्षों और संदर्भों को समझें। बीएचयू ने यह भी साफ किया कि इस मुद्दे को लेकर किसी तरह का अनावश्यक विवाद खड़ा नहीं किया जाना चाहिए।

महिला वकीलों के प्रतिनिधित्व पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली/ए। महिला वकीलों को सरकारी कानूनी पैनलों और लॉ ऑफिसर पदों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने लाडली फाउंडेशन ट्रस्ट की याचिका पर नोटिस जारी किए।



सॉलिडिटर जनरल नहीं बनी। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में महिला जजों की संख्या लगभग 5.88 प्रतिशत और हाई कोर्ट में 13.76 प्रतिशत है। याचिका में केंद्र, राज्यों और पीएसयू को निर्देश देने की मांग की गई है कि सभी सरकारी कानूनी पैनलों में महिलाओं को कम से कम 30 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए।

धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे, सिख संपत्तियों पर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर में सिख धार्मिक और विरासत संपत्तियों की सुरक्षा, ऑडिट और नियमन को लेकर दायर जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता चरणजीत सिंह को अपनी मांग संसद की याचिका समिति के सामने उठाने की सलाह दी।

बाजार में आएगा रूस का तेल पर चुकानी होगी ऊंची कीमत

नई दिल्ली/ए। दुनियाभर में तेल की ऊंची कीमतों से निपटने के लिए अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की मंजूरी एक महीने और बढ़ा दी है। अमेरिका के वित्त विभाग के दस्तावेजों के मुताबिक, यह अनुमति उन रूसी पेट्रोलियम उत्पादों पर लागू होगी, जो इस समय जहाजों पर लादे जा चुके हैं। अमेरिका के इस कदम से भारत सहित अन्य देशों को समुद्र में फंसे रूसी तेल खरीदने की अनुमति मिलेगी, लेकिन इसके लिए ऊंची कीमत चुकानी होगी।



(10.4 करोड़ प्रतिदिन) से कम है। डच बैंक आईएनजी में कम्पॉडिटीज स्ट्रेटेजी के हेड वॉरेन पैटरसन ने कहा, अमेरिका के इस कदम से आपूर्ति में रुकावट की पूरी भरपाई नहीं होगी। तेल बाजार के लिए सिर्फ एक ही समाधान है...होर्मुज से आपूर्ति फिर से सुचारू रूप से शुरू हो। इस नए उपलब्ध रूसी तेल को खरीदने की सर्वाधिक संभावना भारत और अन्य एशियाई देशों की है। अमेरिकी वित्त विभाग ने कहा, इस अल्पकालिक छूट से रूस को कोई वित्तीय लाभ नहीं होगा, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा का अधिकांश राजस्व पॉइंट ऑफ एक्सपोर्टेशन

पर लगने वाले टैक्स से प्राप्त करता है। ईरान संकट शुरू होने के बाद रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच कीमतों का अंतर अब काफी कम रह गया है। मंगलवार को रूसी डालर 101-102 डॉलर और ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। युद्ध से पहले फरवरी में रूसी डालर 55 डॉलर और ब्रेंट क्रूड का भाव 70 डॉलर के आसपास था। रूसी तेल और ब्रेंट क्रूड के बीच अंतर अब सिर्फ 8 डॉलर का रह गया है, जो युद्ध से पहले 15 डॉलर प्रति बैरल का था। इस तरह देखा जाए, तो रूसी तेल बाजार में आएगा तो, लेकिन पहले की तरह सस्ता नहीं मिलेगा। भारत को उम्मीद है कि जो अतिरिक्त रूसी तेल बाजार में उपलब्ध होगा, उसे खरीदा जा सकता है।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

नई दिल्ली/ए। भारतीय तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरिंगा कोवासोविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुर्जूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीप्ती (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफ्टाइम तक 2-1 से आगे रही। भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और



(44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा। हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।

सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था। भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलियाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद काटे वाला रहा। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को भारतीय टीम ने पूरी तरह उल्टी साबित किया और मैच 4-1 से जीत हासिल करते हुए सीरीज का समापन धमाकेदार अंदाज में किया।

शैतान बनकर एनटीआर ने फिर चौंकाया ‘ड्रैगन’ की फर्स्ट रिलम्स रिलीज

चेन्नई/ए। साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर उर्फ तारक आज अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनकी अपकॉमिंग फिल्म ‘ड्रैगन’ के मेकर्स ने फिल्म की एक झलक फैंस के साथ साझा की है। साढ़े 4 मिनट की इस फर्स्ट रिलम्स से फिल्म की कहानी के बारे में काफी कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है। वैसे तो इस टीजर में काफी कुछ खास है पर सबसे ज्यादा खास है जूनियर एनटीआर की झलक, जिससे फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। इस खबर में जानिए इस फर्स्ट रिलम्स में क्या है खास?



चार मिनट 29 सेकंड के फर्स्ट रिलम्स में दिखाया गया है कि अंजुल भारत में आए तो मसालों और स्टील का कारोबार करने के लिए थे लेकिन यहां उन्होंने अफ़ीम और फिर हेरोइन की खेती करनी शुरू कर दी। वो यहां हेरोइन उगाते थे और पूरी दुनिया में इसका कारोबार करते थे। जब वो देश छोड़कर चले गए तो यहां हेरोइन के कारोबार के लिए संघर्ष होता रहा। फर्स्ट रिलम्स में

जूनियर एनटीआर को एक विलेन के रूप में दिखाया गया है। वो अपना ट्रेडिंग कंपनी के प्रमुख हथियार लुगर बने हैं। वह इतने खतरनाक रोल में हैं कि उन्हें पता नहीं कि उन्होंने अब तक कितने मर्डर किए हैं। मेकर्स ने उन्हें खुदा के हाथों बनाए शैतान की तरह इंडोइयूस किया। ट्रेलर में उनका एक डायलॉग है, ‘खुदा की एक महर है मुझ पर... ट्रिगर दबाकर अप्सोस नहीं करता।’ वहीं एक और सीन में वो कहते हैं, ‘सोते वक सपने में उनकी शक्ति नहीं आती जिनको मारा है। सिर्फ उनकी आती है जो अभी तक बचे हैं। भटकते हुए भी मेरे सपनों में मत आ जाना..।

